● जयपुर, बुधवार, 12 जून 24 ●वर्ष 13 ●अंक 284 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

चमकता राजस्थान

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 मुखमंत्री राजस्थान हाउस पुनर्निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान सा....

पेज @5 ऊर्जा विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का हुआ विधिवत आयोजन...

पेज @8 » स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां...

अमित शाह ने गृह, जेपी नड्डा ने स्वास्थ्य और शिवराज ने कृषि मंत्रालय का संभाला कार्यभार

नई दिल्ली/एजेंसी।

अमित शाह ने नॉर्थ ब्लॉक पहुंच कर गृह मंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। इसके साथ ही भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने निर्माण भवन स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय पहुंच कर स्वास्थ्य मंत्री का कार्यभार संभाल लिया। वहीं शिवराज सिंह चौहान ने भी कृषि भवन पहुंचकर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अपना कार्यभार संभालने से पहले नेशनल पुलिस मेमोरियल जाकर अपने कर्तव्यों को निभाने के दौरान जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को नमन किया। इसके बाद अमित शाह ने नॉर्थ ब्लॉक स्थित गृह मंत्रालय पहुंच कर लगातार दूसरी बार गृह मंत्री का कार्यभार संभाल लिया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बनाए गए नित्यानंद राय और बंदी संजय कुमार भी मौजूद रहे। अमित शाह आज ही सहकारिता मंत्री का कार्यभार भी संभालेंगे।

वहीं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सुबह पार्टी मुख्यालय पहुंच कर राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े सहित पार्टी के अन्य नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने निर्माण भवन स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय पहुंच कर स्वास्थ्य मंत्री का कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार संभालने के दौरान जेपी नड्डा के साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री बनाए गए जाधव प्रतापराव गणपतराव और अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने रसायन एवं उर्वरक मंत्री के तौर पर भी अपना कार्यभार संभाल लिया है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कृषि भवन पहुंचकर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। चौहान को कृषि एवं किसान कल्याण के साथ ही ग्रामीण विकास मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग दिए गए हैं। कार्यभार संभालने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान अन्न के भंडार भरता है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है जो सारे देश को अन्न खिलाता है, इसलिए किसान अन्नदाता कहलाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों का कल्याण करना है और पिछले 10 वर्षों से पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार लगातार किसान के कल्याण के लिए काम कर रही है।

चौहान ने पीएम मोदी द्वारा उन्हें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की जिम्मेदारी देने को अपना सौभाग्य बताते हुए कहा कि सरकार किसानों के लिए हर संभव कदम उठाएगी। वे सबके साथ मिलकर काम करेंगे और अधिकारियों के साथ बैठक में वे अधिकारियों को भाजपा का संकल्प पत्र देने जा रहे हैं ताकि पार्टी के वादे को पूरा करने की दिशा में आगे कदम बढ़ाया जा सके।

आपको बता दें कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में सोमवार शाम को मंत्रियों के बीच मंत्रालयों का बंटवारा कर दिया गया था। मंगलवार को मोदी सरकार के मंत्रियों ने अपने-अपने मंत्रालय का कार्यभार संभालना शुरू कर दिया।

किरन रिजिजू, संजय सेठ, चिराग पासवान, जयंत चौधरी और गिरिराज सिंह ने संभाला अपना कार्यभार

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्र सरकार ने सोमवार शाम को ही सभी मंत्रियों के बीच उनके मंत्रालय का बंटवारा कर दिया था। इसके बाद मंगलवार सुबह से ही मंत्रियों ने अपना कार्यभार संभालने का काम शुरू कर दिया। अपने-अपने मंत्रालय पहुंचे मंत्रियों का स्वागत वहां मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। अपने-अपने मंत्रिमंडल पहुंचे नए मंत्री अपनी जिम्मेदारियां और चुनौतियां को वहां मौजूद अधिकारियों से समझ रहे हैं और अपना काम शुरू कर रहे हैं। इसी कड़ी में किरेन रिजिजू ने संसदीय कार्य मंत्री का कार्यभार संभाला। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वो केंद्रीय गृह मंत्री का कार्यभार संभालेंगे। संजय सेठ ने रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार संभाला। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नए मंत्रिमंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का कार्यभार संभाला। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, प्रधानमंत्री ने जो जिम्मेदारी दी है उसे ईमानदारी से निभाने के संकल्प के साथ यहां आया हूं। फूड प्रोसेसिंग एक बड़ी जिम्मेदारी है, आने वाला समय फूड प्रोसेसिंग का ही है। मैं, मेरे पिता राम विलास पासवान से सीखते हुए उनकी सोच को आगे बढ़ाते हुए और प्रधानमंत्री के विकसित देश के संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से इस विभाग की एक अहम भूमिका देखता हूं। वहीं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्यभार संभाला। इसी कड़ी में गिरिराज सिंह ने कपड़ा मंत्री का पदभार संभाला। पबित्रा मार्गेरिटा ने कपड़ा मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार संभाला। इस मौके पर पूर्व कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे। कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, टेक्सटाइल ऐसा सेक्टर है जहां सबसे ज्यादा नौकरी आती है। आज दुनिया में भी हमारा निर्यात का अच्छा शेयर है। टेक्सटाइल आने वालों दिनों में देश के आकांक्षाओं के अनुरूप आगे जाएगा।

न्यूज अपडेट

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में जयपुर के परिवार पर दुखों का पहाड़, 3 बच्चे हुए अनाथ

श्रीनगर/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों की बस को निशाना बनाने वाले आतंकियों ने कई परिवारों को तबाह कर दिया।राजस्थान के जयपुर से एक ही परिवार के 5 सदस्य वैष्णो देवी की यात्रा के लिए गए थे। आतंकी हमले में इनमें से 4 की मौत हो गई। मृतकों में 2 साल का एक बच्चा भी है।हमले में जान गंवाने वाले परिवार में एक दंपति के 3 बच्चों को पता ही नहीं है कि उनके माता-पिता दुनिया में नहीं हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जयपुर में चोमू निवासी पूजा सैनी (30) अपने पति पवन (35), 2 वर्षीय बेटा लेवंश, पूजा के मामा राजेंद्र (44) और मामी ममता (40) 6 जून को वैष्णों की यात्रा पर गए थे।हमले में पूजा, लेवंश, राजेंद्र और ममता की मौत हो गई। पवन घायल हैं।पूजा के पिता ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि अभी राजेंद्र और ममता के बच्चों वर्षा (22), राहुल (19) और लकी (17) को निधन के बारे में नहीं बताया है।

रविवार को जब दिल्ली में नरेंद्र मोदी का शपथ ग्रहण समारोह चल रहा था, तब रियासी में शिवखोड़ी गुफा तीर्थ स्थल पर श्रद्धालुओं को ले जा रही एक बस पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिससे बस खाई में गिर गई।हमले में 10 की मौत हो गई। खाई में गिरने के बावजूद आतंकवादियों ने गोलीबारी जारी रखी।हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी कर रही।

मतदाताओं का आभार जताने सोनिया, राहुल, प्रियंका आज रायबरेली में

लखनऊ/एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को रायबरेली और अमेठी के पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और एक सभा को संबोधित करेंगे, जिसमें वो जीत के लिए जनता का आभार जताएंगे। सोनिया गांधी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी और अमेठी के सांसद केएल शर्मा भी इस दौरान मौजूद रहेंगे और सभा को संबोधित करेंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मंगलवार की सभा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की पहली ऐसी सभा होगी।

कांग्रेस ने संसदीय चुनाव में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए मतदाताओं का आभार जताने का फैसला किया है। इसके तहत 11 से 15 जून तक सभी 80 लोकसभा सीटों पर आभार जनसभा आयोजित करने और यात्रा निकालने का फैसला किया गया है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से इंडिया ब्लॉक ने 43 सीटें जीतीं, जिसमें कांग्रेस को छह और समाजवादी पार्टी को 37 सीटें शामिल हैं। राहुल गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट पर उत्तर प्रदेश के मंत्री और भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह को 3,90,030 मतों के अंतर से हराया।

पीएम मोदी ने शेयर किया योग करते हुए खुद का वीडियो, बताए अलग-अलग आसनों के फायदे

नई दिल्ली/एजेंसी।

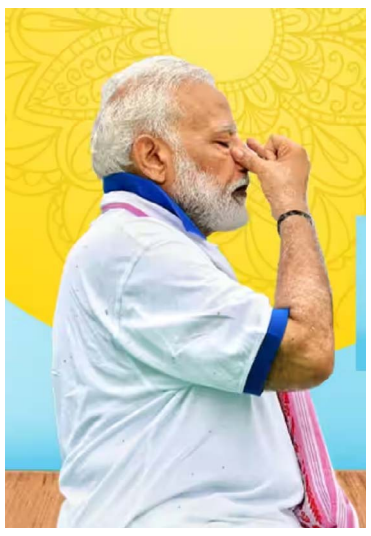

हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इसके जरिए लोगों को अपनी दिनचर्या में योग शामिल करने और फिट रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने योग का एक वीडियो शेयर किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो की एक सीरीज पोस्ट की, जिसमें अलग-अलग आसनों और उनके फायदों के बारे में बताया गया है।

पीएम ने कहा, योग दिवस नजदीक आ रहा है। मैं वीडियो शेयर कर रहा हूं, जिसमें कई तरह के आसन और उनके लाभ पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि यह आप सभी को नियमित रूप से योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित करेगा।

योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, योग शांति प्रदान करता है, जो हमें जीवन की चुनौतियों का सामना धैर्य के साथ करने में सक्षम बनाता है।

उन्होंने आगे कहा, अब से दस दिनों में दुनिया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी। योग ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार कर समग्र कल्याण की खोज में दुनिया भर में लाखों लोगों को एकजुट किया है।

इस साल 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस बार थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योग रखी गई है।

24 साल बाद ओडिशा को मिला नया सीएम, मोहन मांझी बनेंगे मुख्यमंत्री

भाजपा विधायक दल की बैठक में फैसला

भुवनेश्वर/एजेंसी।

ओडिशा विधानसभा चुनाव 2024 में पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली भाजपा ने राज्य के नए मुख्यमंत्री का नाम तय कर लिया है।भाजपा नेता मोहन मांझी राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके साथ ही ओडिशा को 24 साल बाद नया मुख्यमंत्री मिल गया है।इसके अलावा प्रवती परिदा और कनक वर्धन सिंह देव उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। राज्य की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को भुवनेश्वर में होगा।

नए मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव दोपहर में पर्यवेक्षक के रूप में राजधानी भुवनेश्वर पहुंचे थे।इसके बाद वहां भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई गई। उसमें मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा हुई।इसके बाद शाम करीब 6 बजे राजनाथ सिंह ने राज्य के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में मोहन मांझी और उपमुख्यमंत्री के रूप में प्रभाती और केवी सिंह के नाम की घोषणा कर दी।

मांझी ओडिशा में आदिवासी समाज का प्रमुख चेहरा हैं और भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर इस समाज पर अपनी पकड़ मजबूत करने की ओर भी कदम उठाया है।मांझी ओडिशा की क्योंझर सीट से विधानसभा चुनाव जीते हैं और यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है।उन्होंने इस सीट से बीजू जनता दल (बीजद) के नीना मांझी को 11,577 वोट से मात दी थी। 52 वर्षीय मांझी चार बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। मांझी ने अपने रानजीतिक करियर की शुरुआत सरपंच पद से की थी। वह साल 1997 से 2000 तक सरपंच रहे थे। इसके बाद साल 2000 में उन्होंने क्योंझर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा और उसमें जीत हासिल कर विधानसभा का रास्ता तय किया था।

फिर शुरू होगा हीट वेव का असर, कई दिनों तक नहीं मिलेगी भीषण गर्मी से राहत

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर हीट वेव का असर देखने को मिलने वाला है। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 12 जून से लेकर 17 जून के बीच हीट वेव का असर देखने को मिल सकता है और पारा 45 डिग्री के पार पहुंच जाएगा।

11 जून तक पारा 44 डिग्री के पार दिख रहा है। डॉक्टरों की सलाह है कि हीट वेव के दौरान घरों से बिल्कुल ना निकलें और ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं ताकि डिहाइड्रेशन का शिकार ना हो पाएं।

मौसम विभाग के आंकड़ों की मानें तो 11 जून को आसमान में बादल छाए रहने की उम्मीद है और पारा 44 डिग्री के पार पहुंच सकता है। वहीं 12 जून से लेकर 13, 14, 15, 16 और 17 जून तक पारे के 45 डिग्री से ज्यादा पहुंचने की संभावना जताई गई है।

साथ ही साथ किसी भी तरीके के कोई भी बादल छाने या बारिश या तेज तूफान के असर को भी मौसम विभाग ने नहीं दिखाया है। इससे साफ तौर पर जाहिर है कि एनसीआर वालों को एक बार फिर भीषण और तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है और हीट वेव के चलने के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ेगा।

गौरतलब है कि बीते दिनों दिल्ली में पारा 50 डिग्री के भी पार पहुंच गया था और बिजली की आपूर्ति भी अपने बीते रिकॉर्ड को तोड़ चुकी थी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में भी बिजली आपूर्ति में होने वाली बाधा के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोग लगातार सड×कों पर उतरकर प्रदर्शन करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

माना जा रहा है कि भीषण गर्मी के एक बार फिर बढने से लोगों की दिक्कत बढने लगेगी, बच्चों और बुजुर्गों पर हीट वेव का बहुत ज्यादा असर होता है। इसलिए डॉक्टर सलाह देते हैं कि ज्यादा से ज्यादा समय तक घर के अंदर रहें और खूब तरल पदार्थ पिएं।

दिल्ली में अगले एक हफ्ते तक चलेगी गर्म हवाएं, बारिश की उम्मीद नहीं

नईदिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में बारिश के लिए टकटकी लगाए लोगों के लिए निराश करने वाली खबर है। यहां का मौसम अगले कुछ दिनों के लिए बदल गया है।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने संभावना जताई है कि अगले एक हफ्ते तक दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में भीषण गर्मी पड़ेगी और गर्म हवाएं चलेंगी।बारिश की जो उम्मीद लगाई जा रही थी, उसकी भी संभावना अगले एक हफ्ते में नहीं दिख रही है। इससे तापमान में भी परिवर्तन दिखेगा।

आईएमडी के मुताबिक, 11 से 17 जून तक भीषण लू चलेगी। इसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। आईएमडी के अधिकारियों ने बताया कि अगले एक हफ्ते तक दिल्ली में 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज और गर्म हवाएं चलेंगी।सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 43 डिग्री और मंगलवार को न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सफल भी और सक्षम भी होगी मोदी की तीसरी पारी

एक और इतिहास रचते हुए नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। यह देश ही नहीं दुनिया के लिए एक अद्भुत एवं विलक्षण राजनीतिक घटना है, क्योंकि दुनिया में बहुत कम शासनाध्यक्षों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मोदी के इस तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की नजरें इसलिये भी टिकी हैं कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली गठबंधन सरकारों से अलग होकर भी सशक्त है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर काम करने वाली इस सरकार में 71 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के साथ शपथ ली। मोदी के करिश्माई नेतृत्व में पिछले दस साल में देश को विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे मुकाम पर खड़े करते हुए दुनिया को चौंकाया है।

11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। जीडीपी के आकार के हिसाब से हमने पिछले साल ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसक साथ ही सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास इस सरकार का ध्येय है। प्रधानमंत्री मोदी इस बार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते हुए एक नया इतिहास बनायेंगे, उम्मीद की जा रही है कि बिना बाधा एवं गठबंधन की शर्तों के वे देश-विकास के अपने एजेंडे को सफलतापूर्वक एक नई ऊंचाई देंगे। उनकी लोकसभा चुनाव-2024 की उपलब्धि की महत्ता इसलिये भी कम नहीं हो जाती, क्योंकि भाजपा बहुमत से कुछ ही दूर है। चूंकि सहयोगी दल मोदी सरकार को सहयोग और समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मंत्रियों का चयन सुगम तरीके से हो गया इसलिए यह आशा की जाती है कि मोदी की तीसरी पारी भी सुगमता एवं त्वरित गति से चलेगी। इसका एक कारण यह भी है कि उनके पास व्यापक राजनीतिक अनुभव है और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता तथा समन्वय की राजनीति करने का कौशल भी। गठबंधन दलों को भी समन्वय एवं सौहार्द का वातावरण बनाना होगा, इसी में उनका राजनीतिक हित है। वे विपक्षी दलों के बहकावे में न आये, वरना यहां मोदी एवं शाह के पास अन्य विकल्प हैं जो मोदी सरकार को संकट में नहीं जाने देंगे।

मोदी ने अनेक ऐसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में। मोदी के सामने चुनौतियां पूर्ण बहुमत के दौर में भी रही है और अब भी कायम है। इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं। गरीब मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य भी सामने हैं। पूर्व के दौ कार्यकाल में मोदी ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी मौलिक सोच एवं दृष्टि से मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि मोदी की तीसरी पारी में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर राजनीतिक मजबूरी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है। लेकिन मोदी की कोशिश रहेगी कि वे अपने इन मुद्दों को भी आकार दे सके। इनमें कुछ विलंब हो सकता है, लेकिन ये और ऐसे अनेक मुद्दें मोदी की प्राथमिकता बने रहेंगे।

पिछले दस वर्षों का मोदी का कार्यकाल यह बताता है कि जहां उन्होंने देश विकास की एक अमिट गाथा लिखी, वहीं वे देश में सबसे सशक्त और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे और विश्व पटल पर अपनी एक गहरी छाप छोड़ते हुए भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। इससे विश्व में भारत का मान बढ़ा और इसे उनके विरोधी भी स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने न केवल साहसिक फैसले लिए, बल्कि विकास और जनकल्याण के ऐसे कार्य किए जिसने देश की तस्वीर बदली, भारत का विकास हुआ। अब वह विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। चूंकि गठबंधन सरकार के बावजूद कमान प्रधानमंत्री के हाथ में है और उन्होंने यह कहा है कि वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस एजेंडे के प्रति सहयोगी दलों और विशेष रूप से टीडीपी और जेडीयू ने भी अपनी संकल्पबद्धता जताई है इसलिए मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी निरंतरता, साहसिकता, दृढ़ता का परिचायक ही होगी। राजनीति की लंबी पारी ने मोदी को दृढ़ता के साथ ही लचीलेपन का भी पाठ पढ़ाया है। कोई कारण नहीं कि राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं।

मंत्रिमंडल का गठन करते हुए ऐसा नजर नहीं आया कि भाजपा गठबंधन सहयोगियों के किसी तरह के दबाव में हो। पिछली सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालने वाले भाजपा के सांसद वरिष्ठता क्रम में शपथ लेते नजर आए। मंत्रिमंडल के गठन में गठबंधन के हितों के साथ ही जातीय संतुलन और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया। हरियाणा में भले भी पांच सांसद इस बार चुने गए हों, लेकिन इस साल राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कैबिनेट व राव इंद्रजीत सिंह तथा कृष्णपाल सिंह को राज्यमंत्री बनाया गया। वहीं पंजाब से कोई भाजपा सांसद नहीं चुना गया लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। झारखंड में इस साल चुनाव होने हैं तो राज्य को तीन मंत्री दिये गए हैं। मोदी का मंत्रिमण्डल देश विकास के साथ राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी एवं सशक्त एक तीर से अनेक निशाने साधते हुए दिखा।

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिंताजनक

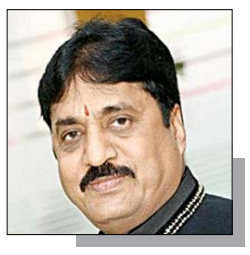

ललित गर्ग

देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन-प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठाहरवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो।

बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आज़ादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म

की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्टा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं।

सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता एवं पवित्रता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन-केन-प्रकारेण करोड़पति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं। ऐसे में क्या उम्मीद की जाए कि अपनी मेहनत की कमाई से जीवनयापन करने वाला आम आदमी कभी सांसद बनने की बात सोच सकता है? दागी एवं अपराधी राजनेता लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना एवं विसंगति बनते जा रहे हैं। बात लोकसभा की ही नहीं है, विभिन्न राज्यों की सरकारों में भी कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। यह खुशी की बात है कि केन्द्र में बनी गठबंधन सरकार के मंत्रिमण्डल में ऐसी विवशता को काफी सीमा तक नियंत्रित किया गया है। सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा करने वालों की केवल एक ही मांग सुनने में आती है कि मरने के बाद हमारी लाश हमारे घर पहुंचा दी जाए। ऐसा जब पढ़ते तो हमारा मस्तक उन जवानों को सलाम करता है, लगता है कि देश भक्ति और कुर्बानी का माद्दा अभी तक मरा नहीं है। लेकिन राजनीति में ऐसा आदर्श कब उपस्थित होगा। राजनीति में चरित्र एवं नैतिकता के दीये की रोशनी मन्द पड़ गई है, तेल डालना होगा। दिल्ली सरकार में मंत्रियों के घरों पर सीबीआई के छापे और जेल की सलाखें हो या बिहार मंत्री परिषद के गठन में अपराधी तत्वों की ताजपोशी-ये गंभीर मसले हैं, जिन पर राजनीति में गहन बहस हो, राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत -सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिए।

सभी अपनी-अपनी पहचान एवं स्वार्थपूर्ति के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। कोई पैसे से, कोई अपनी सुंदरता से, कोई विद्वता से, कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास करते हैं। राजनीति की दशा इससे भी बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं। जातिवाद, प्रांतवाद, साम्प्रदायिकता को आधार बनाकर जनता को तोड़ने की कोशिशें होती है। पर हम कितना भ्रम पालते हैं। पहचान चरित्र के बिना नहीं बनती। बाकी सब अस्थायी है। चरित्र एक साधना है, तपस्या है। जिस प्रकार अहं का पेट बड़ा होता है, उसे रोज़ कुछ न कुछ चाहिए। उसी प्रकार राजनीतिक चरित्र को रोज़ संरक्षण चाहिए और यह सब दृढ़ मनोबल, साफ छवि, ईमानदारी एवं अपराध-मुक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है। राजनीति में चरित्र-नैतिकता सम्पन्न नेता ही रेस्पेक्टेबल (सम्माननीय) हो और वही एक्सेप्टेबल (स्वीकार्य) हो।

भारत में वर्तमान पर्यावरणीय मुद्दे

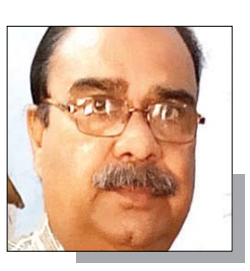

रजत मुखर्जी

भारत एक विशाल देश है जो अपने विविध प्राकृतिक संसाधनों और विविध पर्यावरण के लिए जाना जाता है। लेकिन वर्तमान में देश विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं से जूझ रहा है, जिसका देश के पर्यावरण और जन स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। कुछ प्रमुख मुद्दों का वर्णन नीचे दिया गया है:

1. वायु प्रदूषण

भारत में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनकर उभरा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार हैं। वाहनों का धुआं, फ़ैक्टरी उत्सर्जन, निर्माण कार्य और धूल इस प्रदूषण के मुख्य स्रोत हैं। वायु प्रदूषण के कारण सांस लेने में तकलीफ, अस्थमा, फेफड़ों का कैंसर और हृदय रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं।

2. जल प्रदूषण

भारत की नदियाँ, विशेषकर गंगा और यमुना, गंभीर प्रदूषण से पीड़ित हैं। यह प्रदूषण औद्योगिक अपशिष्ट, घरेलू अपशिष्ट और कृषि रसायनों को नदी में बहाए जाने के कारण होता है। जल प्रदूषण के कारण पीने योग्य पानी की कमी हो रही है और जलजनित बीमारियों का प्रसार बढ़ रहा है। इसके अलावा, जब कृषि भूमि पर दूषित पानी का उपयोग किया जाता है तो भोजन के माध्यम से भी मनुष्य प्रभावित होते हैं।

3. वन विनाश

भारत में वनों की कटाई एक गंभीर समस्या है। वनों की कटाई से जैव विविधता की हानि, मिट्टी का क्षरण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। अवैध कटाई, औद्योगीकरण और कृषि भूमि

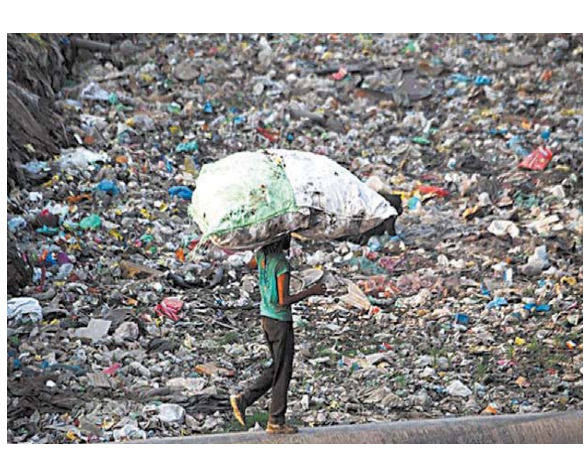

के विस्तार के परिणामस्वरूप वन नष्ट हो रहे हैं। वनों की कटाई से वन्यजीवों के आवास नष्ट हो रहे हैं और कई प्रजातियाँ विलुप्त होने का सामना कर रही हैं।

4. जलवायु परिवर्तन

भारत जलवायु परिवर्तन से प्रभावित है. गर्मी, बाढ़, सूखा और लू जैसी समस्याएं देश के विभिन्न हिस्सों पर भारी असर डाल रही हैं। जलवायु परिवर्तन से कृषि उत्पादन कम हो रहा है और किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, समुद्र का स्तर बढ़ने पर तटीय क्षेत्रों के डूबने का खतरा है।

5. प्लास्टिक प्रदूषण

भारत में प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गया है। प्लास्टिक उत्पादों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और वे आसानी से विघटित नहीं होते हैं। परिणामस्वरूप, प्लास्टिक कचरा मिट्टी, पानी और हवा में जमा हो रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण से मिट्टी और जलवायु की गुणवत्ता खराब हो रही है और जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

6. जैव विविधता के नुकसान

भारत में जैव विविधता की हानि एक बड़ी समस्या है। वनों की कटाई, पर्यावरण प्रदूषण और अवैध शिकार का जैव विविधता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। कई प्रजातियाँ विलुप्त होने का सामना कर रही हैं और प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं। जैव विविधता का नुकसान पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ रहा है और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर लोगों की आजीविका को खतरे में डाल रहा है।

समाधान एवं कार्यवाही

भारत की पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न कदम उठाए जाने की आवश्यकता है:

वायु प्रदूषण नियंत्रणः वाहनों के उत्सर्जन को कम करने, औद्योगिक उत्सर्जन को नियंत्रित करने और हरियाली द्वारा वायु प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

जल संरक्षण और शुद्धिकरण

नदियों के प्रदूषण को कम करने के लिए औद्योगिक और घरेलू कचरे का उपचार और कृषि में रासायनिक उपयोग को कम करना आवश्यक है। वन संरक्षणः अवैध कटाई रोकें, वनीकरण गतिविधियाँ चलाएँ और वन संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाएँ।

जलवायु परिवर्तन से निपटनाः नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना, कार्बन उत्सर्जन कम करना और कृषि पद्धतियों में सुधार करना।

प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करनाः प्लास्टिक का उपयोग कम करना, पुनर्नवीनीकृत उत्पादों का उपयोग बढ़ाना और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करना।

जैव विविधता संरक्षण

जैव विविधता संरक्षण के लिए संरक्षित क्षेत्रों को बढ़ाना, अवैध शिकार को रोकना और जागरूकता बढ़ाना।

भारत की पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान में सरकार के अलावा आम जनता की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूकता बढ़ाने, सही नीतियों को अपनाने और ठोस प्रयासों से देश के पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

बाल श्रम पर लगे लगाम

रमेश सर्राफ धमोरा

किसी देश के बच्चे अगर शिक्षित और स्वस्थ होंगे तो वह देश उन्नति और प्रगति करेगा और देश में खुशहाली आयेगी। अगर बच्चे ही किताबों को छोड़कर कल-कारखानों में काम करने लगेंगे तो देश और समाज का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा। इसीलिए लोगों को देश का भविष्य कहा जाता है। देश में आज भी करोड़ों बच्चे स्कूलों की बजाए कल-कारखानों, ढाबों और खतरनाक कहे जाने वाले उद्योगों में कार्य कर रहे हैं। जहां दो जून पेट के भोजन की शर्त पर उनका बचपन और भविष्य तबाह हो रहा है। बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, जिसके कारण लोगों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। यह दिवस बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का थीम आइए अपनी मांगों पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें। इस दिन जागरुकता बढ़ाने, बदलाव की पहल करने और बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने बाल श्रम पर कहा है कि पिछले तीन दशकों के इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर मूल कारणों को दूर कर दिया जाए तो बाल श्रम को खत्म किया जा सकता है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरुकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से साल 2002 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरुआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इन सबके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है।

भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। लोगों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप में विराजमान है।

वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्टरी में काम कर या अलग-अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं, जिन्हें न तो किसी कानून

की जानकारी है, और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। भारत में ये बाल श्रमिक कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश व जवाहरात, पीतल व कांच, बीड़ी उद्योग, हस्तशिल्प, सूती होजरी, नारियल रेशा, सिल्क, हथकरघा, कढ़ाई, बुनाई, रेशम, लकड़ी की नक्काशी, फिश फीजिंग, पत्थर की खुदाई, स्लेट पेंसिल, चाय के बागान में कार्य करते देखे जा सकते हैं। लेकिन कम उम्र में इस तरह के कार्यों को असावधानी से करने पर इन्हें कई तरह की बीमारियां होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जितने भी बच्चे बालश्रम में लिप्त हैं, वे या तो निरक्षर थे या पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें अधिकांश बच्चे बीमार पाए गए और कई बच्चे नशे के आदि भी थे। बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिए प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने लोगों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिए तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिए।

पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है। बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक समस्या है। यूनीसेफ के अनुसार बच्चों का नियोजन इसलिए किया जाता है, क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता जैसे अन्य कारण भी हैं। बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के जरिए बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया है ताकि किसी काम में बच्चों को नियुक्त करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना के अलावा सजा भी बढ़ाई जा सके। संशोधित कानून सरकार को ऐसे स्थानों पर और जोखिम भरे कार्यों वाले स्थानों पर समय समय पर निरीक्षण करने का अधिकार देता है जहां बच्चों के रोजगार पर पाबंदी है।

संशोधित कानून के जरिए इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा को बढ़ाया गया है। बच्चों को रोजगार देने वालों को अब छह महीने से दो साल की जेल की सजा होगी या 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकेगा। पहले तीन महीने से एक साल तक की सजा और 10,000 से 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। दूसरी बार अपराध में संलिप्त पाए जाने पर नियोक्ता को एक साल से लेकर तीन साल तक की कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कानून के मुताबिक किसी भी बच्चे को किसी भी रोजगार या व्यवसाय में नहीं लगाया जाएगा। हालांकि स्कूल के समय के बाद या अवकाश के दौरान उसे अपने परिवार की मदद करने की छूट दी गई है। समाज के प्रमुख लोगों को बाल श्रम को रोकने की दिशा में एक नई पहल करनी चाहिए। लोगों को बाल श्रम को रोकने के लिये समाज में जागरुकता लाने का प्रयास करना चाहिए व बच्चों से काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनन कार्रवाई करवानी चाहिए तभी बाल श्रम पर रोक लग पाएगी। कानूनी कार्रवाई के डर से मालिक बाल श्रमिको को अपने यहां काम पर रखने से डरने लगेंगे।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मुख्यमंत्री राजस्थान हाउस पुनर्निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान सा.नि.वि. के कार्यों से असंतुष्ट

शीघ्र होगी एक्सईएन की नियुक्ति

चमकता राजस्थान

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के कि- सी भी अधिकारी के वहाँ मौजूद न होने से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि अधिकारियों को कार्य में और अधिक गति लाते हुए तय समय-सीमा में पूरा करने का प्रयास करना चाहिए,शर्मा ने कहा कि समय-सीमा के साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन के पुनर्निर्माण के कार्य शीघ्र पूरे किए जायें।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के सीटी डिविजनों में पेंडिंग वर्क ऑर्डरों पर अधिकारी नहीं कर रहे कार्रवाही

सार्वजनिक निर्माण विभाग जयपुर के सीटी डिविजनों में कई वर्क ऑर्डरों में कार्य पूर्ण होने की तिथि निकलने के पश्चात भी अधिकारिक कार्रवाई नहीं कर रहे हैं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कई वर्क ऑर्डरों में पिछले कई माह से तिथि निकल चुकी है लेकिन अधिकारी मिलीभगत के चलते ने तो ठेकेदारों पर पेनल्टी लगा रहे हैं न ही कार्य को वापस ले रहे हैं । मिली जानकारी के अनुसार ठेकेदार टेंडर लेकर वर्क आर्डर जारी किए जाने की तिथि के पश्चात निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण न करने के पश्चात भी पुरानी तिथियों में बिल बनाकर पैसा उठा लेते हैं, अधिकारियों को चाहिए की ऐसे ठेकेदारों की पहचान कर इस पर विराम लगाया जाए। ऐसे कार्यों को सूचीबद्ध कर संबंधित ठेकेदार को फाइनल नोटिस जारी किया जाय। यदि इस नोटिस पर भी ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाय तो वर्क ऑर्डर निरस्त किया जावे। साथ ही इनको ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाय। इसके साथ ही ठेका शर्तों का उल्लंघन करने पर अमानत और अंतर की राशि को सीज करने का आदेश दिया ज़ावे। साथ ही जिन ठेकेदारों ने वर्कऑर्डर मिलने के बाद फिजिकली काम शुरू नहीं किया उनका वर्क ऑर्ड रद्द किया जावे। मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी अधिकारी के वहाँ उपस्थित न होने सार्वजनिक निर्माण विभाग ने दिल्ली में विभाग का नया एक्सईएन नियुक्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कल

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार 13 जुलाई 2024 को संपूर्ण प्रदेश में इस वर्ष की ''द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत'' का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में सिविल न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों बैंक के ऋण संबंधी मामले एनआई एक्ट के प्रकरण व राजस्व न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। सतीश चंद, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय लोकअदालत को सफल बनाने हेतु बेंक/वित्तीय संस्थानों के लंबित/ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सुलह के माध्यम से राजीनामें द्वारा निस्तारण का प्रयास किया जायेगा। पक्षकार संबंधित न्यायालय में आवेदन पेश कर अपने प्रकरण को लोक अदालत में रखवा सकते हैं। इस हेतु कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर से संपर्क किया जा सकता है। अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि पक्षकारों द्वारा आपसी समझाईश एवं राजीनामे के आधार पर अपने प्रकरणों का राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण कराते हुए शीघ्र सस्ता एवं सुलभ न्याय प्राप्त करने के इस अवसर का आमजन को लाभ उठाना चाहिए। आमजन से अपील रेखा यादव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर द्वारा आमजन से अपील है! कि वे अपने राजीनामा योग्य अधिक से अधिक प्रकरणों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण करवाकर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने राजस्थान से बने नवनियुक्त केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर पेश करी शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान। नई दिल्ली! (खलील कुरैशी)। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने प्रदेश के चार सांसदों भूपेन्द्र यादव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और भागीरथ चौधरी से मुलाकात कर उन्हें केन्द्रीय कैबिनेट में शामिल किए जाने पर प्रदेश सरकार और जनता की ओर से बधाई दी है। डिप्टी सीएम राजधानी दिल्ली में चारों नवनियुक्त केन्द्रीय मंत्रियों से भेंट के दौरान कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी सरकार में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा जनकल्याण के लिए बनाई गई योजनाओं को गति मिलेगी।उज्जवल कार्यकाल की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में अपने प्रयासों के जरिए अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कैबिनेट मंत्री बनने से प्रदेश के विकास कार्यों को पूरा होने में पूर्ण सहयोग मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की सतत सेवा के लिए समर्पित पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में बतौर केंद्रीय, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के नवीन दायित्व के लिए बधाइयां प्रेषित कीं। डिप्टी सीएम बैरवा ने मुलाकात के दौरान कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि पीएम मोदी के प्रभावी नेतृत्व एवं आपके प्रयासों के अनुरूप भारत प्रगति एवं विकास की नित नए आयाम बनाएगा और विकसित भारत का संकल्प भी सिद्ध होगा।

डिप्टी सीएम बैरवा ने नवगठित मंत्री मंडल में मंत्री बने राजस्थान के सभी सांसदों को नवीन दायित्व के लिए हार्दिक मंगलकामनाएं देते हुए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा विश्वास जताया कि पीएम मोदी के निर्णायक नेतृत्व में आपकी अन्द्भुत कार्यशैली के बल पर विकसित भारत के संकल्प अवशय सिद्ध होगा।

आरपीए ऑडिटोरियम में राज्य विशेष शाखा का अलंकरण समारोह आयोजन सम्पन्न

- 17 पुलिस अधिकारी व कार्मिक डीजीपी डिस्क-प्रशस्ति रोल व 148 सेवा चिन्हों से सम्मानित
- डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ समारोह

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) 11 जून। महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में राज्य विशेष शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पदक वितरण समारोह मंगलवार को राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 17 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को डीजीपी डिस्क-प्रशस्ति रोल एवं 148 को सर्वोत्तम, अति उत्तम एवं उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।समारोह के दौरान डीजीपी इंटेलिजेंस अग्रवाल एवं आईजी सुरक्षा राजेश मीणा द्वा-रा अपने उद्बोधन में पदक विजेताओं को बधाई दी और भविष्य में इसी प्रकार और अधिक बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम से पहले मुख्य अतिथि अग्रवाल के राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित ऑडिटोरियम में पहुंचने पर उन्हें गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। मंच पर इंटेलिजेंस ट्रेनिग अकादमी (ईटा) के निदेशक दीपक भार्गव द्वारा पौधे भेंट कर उपस्थित अधिकारियों का ग्रीन वेलकम कर स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह द्वारा किया गया।ईटा के डायरेक्टर भार्गव ने बताया कि अलंकरण समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वश्री पीयूष दीक्षित, आलोक सिंघल, महेंद्र भगत, सुमित गुप्ता व शालिनी सक्सेना सहित 17 अधिकारियों को डीजीपी डिस्क से, वहीं बेहतरीन और बेदाग सेवा के लिए 25 कार्मिकों को सर्वोत्तम, 59 को अति उत्तम और 64 कार्मिकों को उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान किया गया।कार्यक्रम के अंत में उप महानिरीक्षक पुलिस विकास शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।इस अवसर पर एसपी सुरक्षा राजकुमार गुप्ता सहित राज्य विशेष शाखा में पदस्थापित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस बार सम्मानित होने वाले कार्मिकों के परिजनों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था।

किशोरपुरा में विद्युत कर्मचारियों की लापरवाही से आधा गांव 24घंटे से अधेरे में

- भीषण गर्मी में कुमावत बस्ती में मौत के मातम पर बैठी महिलाएं बेहोश होकर तड़पती रही
- बार-बार फोन करने पर भी कर्मचारियों को तरस नहीं आई

चमकता राजस्थान। उदयपुरवाटी/ चंवरा (सुमेर सिंह राव) किशोरपुरा गांव में विद्युत विभाग की लापरवाही व तानाशाही का रवैया सामने आया है समाज सेवी सुरेश मीणा किशोरपुरा ने बताया कि कुमावत मौहले में गोपीराम वर्मा की मौत के बाद उनके घर महिलाओ का जमघट लग गया ठीक इसी समय अचानक बिजली गुल हो गई इसके बाद मोरिंडा पावर हाउस में मौजूद कर्मचारियों को दोपहर बाद तक लगातार एक के बाद एक ग्रामीणों ने फोन कर बिजली देने की बात कही लाइनमैन को बताया गया कि भीषण गर्मी में मौत के इस मातम में कई महिलाएं बार-बार बेहोश हो रही है । आप जल्दी आकार विद्युत व्यवस्था सुचारू करो । लेकिन बेबस महिलाओ पर भी इन्हे तरस नहीं आया । सुरेश मीणा किशोरपुरा साय 5:45 मोरिंडा हाउस पहुंचे तो वहां पर कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। पावर हाउस का दफ्तर एव कर्मचारियों का होल खाली था । किशोरपुरा ने मोबाइल पर बात की तो लाइनमैन सुनील ने बताया कि हमने पहले फाल्ट खोजने का प्रयास किया पर अभी-अभी पता लगा है की गांव के खारिया कुआ वाली डीपी जल गई है अब आपको कल ही डीपी मिलेगी मीणा ने बताया कि समय पर विद्युत विभाग के कर्मचारी सुध ले लेते तो गांव के तीन व चार वार्डों मेंबसेकुमावत,मीणा,ब्राम्हण,राजपूत समाज के लोगों को इस विकट समस्या से जूझना नही पड़ता । किशोरपुरा ने कहा कि ये विद्युत उपभोगताओ के साथ में अन्याय है उनका कहना था कि हम किसी कर्मचारी व अधिकारी के खिलाफ नही हर समय इनका सहयोग करते हैं कई बार विद्युत विभाग इस तरह की लापरवाही कर चुका है अब ये बरदास नहीं होगा ।

सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत की अध्यक्षता में पल्स पोलियो अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी)जयपुर प्रथम। 11 जून। आगामी 23 जून को जिले में पल्स पोलियो अभियान आयोजित किया जाएगा। इसी को लेकर सीएमएचओ कार्यालय सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. सुशील गौतम (एसएमओ), कार्यवाहक आरसीएचओ डॉ. धर्मेंद्र कराड़िया, समस्त बीसीएमओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश शर्मा, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रशांत शर्मा, डॉ. विक्रम सिंह, बीपीएम, शहरी क्षेत्र के चिकित्सा अधिकारी और पीएचएम उपस्थित रहे। कार्यशाला में आगामी 23 जून को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो के बारे में विचार विमर्श हुआ। अभियान में जिले के 0-5 वर्ष तक के 04 लाख से अधिक बच्चों को प्रथम दिन बूथ पर और दूसरे व तीस-रे दिन घर घर जाकर खुराक पिलाई जाएगी।कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने अभियान में गंभीरता बरतते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान में सभी कर्मचारियों को विशेष सतर्कता से कार्य किए जाने हेतु निर्देशित किया, जिससे एक भी बच्चा अभियान से वंचित नही रहे। उन्होंने ठोस कार्ययोजना बनाते हुए कार्य करने के निर्देश दिए, जिससे अभियान सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सके। कार्यशाला में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से संबंधित समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई।

आईपीडी टावर के निर्माण से मरीजों को मिलेगा गुणवत्तापूर्ण इलाज

एम्पावर्ड कमेटी की बैठक, आईपीडी टावर पर हुआ मंथन

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी)11 जून। माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार प्रदेश में हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार जयपुर स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल परिसर में देश के सबसे ऊंचे अस्पताल का निर्माण करवा रही है। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा की अध्यक्षता में चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की उपस्थिति में एम्पावर्ड कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आईपीडी टॉवर पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा विभाग शुभ्रा सिंह, प्रमुख शासन सचिव,नगरीय विकास विभाग, टी.रविकान्त, जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल, प्रिंसिपल एसएमएस, निदेशक (अभियांत्रिकी) देवेन्द्र गुप्ता, निदेशक अभियांत्रिकी यूडीएच अशोक चौधरी, जेडीए एवं चिकित्सा विभाग के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

30 जून तक सभी ड्राईंग की जायेंगी अनुमोदित

बैठक में चिकित्सा मंत्री द्वारा आईपीडी टॉवर को 24 मंजिला ही बनाने की आवशयकता जताई गई। इसके लिए आवशयक वित्त प्रबन्धन शीघ्र करने का आश्वासन दिया।

बैठक में चिकित्सा विभाग द्वा-रा आईपीडी टॉवर के लिए कम से कम 600 कारों की अतिरिक्त पार्किंग की आवशयकता भी जताई गई। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन, जविप्रा एवं पीडब्ल्यूडी द्वारा संयुक्त मौका निरीक्षण कर विभिन्न प्रस्तावों की रिपोर्ट बनाने के निर्देश प्रदान किए गए। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने फिजीबिलेटी रिपोर्ट एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। फिजीबिलेटी रिपोर्ट के बाद ही मोर्चरी एवं पार्किंग बिल्डिग ड्राईंग अनुमोदित की जायेगी। उन्होंने कहा कि एसएमएस अस्पताल प्रशासन को 30 जून, 2024 तक आईपीडी टॉवर की सभी ड्राईंग का अनुमोदन के निर्देश दिए। इस टाईमलाईन के बाद किसी अन्य ड्राईंग/नक्शे पर विचार नहीं किया जाएगा। बैठक में आईपीडी टॉवर की उंचाई पर भी चर्चा की गई। इस संबंध में सर्वसम्मति से आईपीडी टॉवर की उंचाई 24 मंजिला रखने का निर्णय लिया गया। जेडीसी ने बताया कि निर्माणकर्ता एजेंसी को प्रोजेक्ट का कार्य बुस्ट करने हेतु निरन्तर भुगतान की आवशयकता रहती है। इस संबंध में अन्य विभागों से अपेक्षित योगदान राशि प्राप्त की जानी प्रस्तावित है। नगरीय विकास मंत्री अधिकारियों को जयपुर विकास प्राधिकरण को योगदान राशि ट्रांसफर करने के निर्देश दिए। बैठक में आईपीडी टॉवर को तीव्रगति से पूर्ण किये जाने पर भी चर्चा हुई। इस संबंध में माननीय यूडीएच मंत्री महोदय द्वारा विभिन्न दिशा-निर्देश प्रदान किये। बैठक में बताया गया कि कॉर्डियोलोजी बिल्डिग का निर्माण 31 अगस्त, 2024 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन द्वारा जेडीए को आवशयक भूमि शीघ्र उपलब्ध करवाने एवं उनकी निविदाओं को शीघ्र स्वीकृत कराने के निर्देश दिए। जेडीसी ने बताया कि प्रोजेक्ट का 67 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका हैं। भूमिगत एवं भूतल ढांचा, 03 सर्विस तल का ढाँचा, 14 मंजिल ढांचे का 60 प्रतिशत कार्य, मुख्य कोर (सीढ़ी, रेम्प व लिफ्ट क्षेत्र) 19वीं मंजिल तक (80प्रतिशत पूर्ण) एवं विद्युत व फिनीशींग इत्यादि का कार्य प्रगति पर है।

जेडीए द्वारा इस टॉवर का निर्माण कार्य तेजी से करवाया जा रहा है। यह आईपीडी टॉवर अत्याधुनिक मेडिकल सुविधाओं से युक्त होगा।

24 मंजिला होगा आईपीडी टॉवर

24 मंजिला इस टावर में 1243 बैड की क्षमता होगी। एयर एंबुलेंस के लिए हेलीपैड, आईपीडी टॉवर में हेलीपैड से लेकर अत्याधुनिक ओटी, सुपर लग्जरी कॉटेज समेत तमाम सुविधाएं होंगी। 1243 बैड्स में 792 जनरल, 150 कॉटेज, 166 आईसीयू और 92 प्रीमियम बैड होंगे। इसके अलावा डबल बेसमेंट पार्किंग, मरीज परिजन के लिए दो बड़े वेटिंग हॉल, मेडिकल साइंस गैलेरी, 20 ऑपरेशन थिएटर, फूडकोर्ट के अलावा रेडियो और माइक्रोबायोलॉजी जांच संबंधित एडवांस लैब होंगी। इस पूरे प्रोजेक्ट को 2 फेज में पूरा किया जा रहा है। देश में अपनी तरह का यह पहला टॉवर होगा, जहां अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। एसएमएस अस्पताल में आउटडोर मरीजों की संख्या प्रतिदिन करीब 15 हजार है, ऐसे में इसके बनने के बाद इलाज के लिए एसएमएस आने वाले मरीजों को राहत मिलेगी और उन्हें समस्त सुविधाएं एक बिल्डिग में उपलब्ध होंगी। जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में आईपीडी टावर बनाया जा रहा है ताकि कोई भी मरीज गुणवत्तापूर्ण उपचार से वंचित ना हो और सरकारी अस्पताल में ही बेहतरीन इलाज मिल सके। टावर के निर्माण से प्रदेश के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से आने वाले मरीजों को भी अच्छा इलाज मिल सकेगा। टावर के भूतल में अत्याधुनिक मोर्चरी का निर्माण होगा। टॉवर की छत पर गंभीर मरीजों के लिए एयर एंबुलेंस हेलीपैड बनाया जायेगा।

संक्षिप्त खबर

जिला कलेक्टर ने आरओबी निर्माण और पानी की टंकी का लिया जायजा

चमकता राजस्थान, नदबई (राजवीर सिंह)। मंगलवार को भरतपुर जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव नदबई दौरे पर रहे। सबसे पहले जिला कलेक्टर ने पंचायत समिति नदबई की ग्राम पंचायत करई में निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया। जहां जिला कलक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को सड़क निर्माण में तय मापदण्डों की शत-प्रतिशत पालना करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला कलक्टर द्वारा ग्राम पंचायत कबई में स्थित पोखर का निरीक्षण कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से चारों तरफ मजबूत पिचिंग का निर्माण करने एवं गांवों के अतिरिक्त जल को नालियों के माध्यम से पोखर में लाने, नालियों की नियमित सफाई कराने संबंधी निर्देश दिए।वहीं जिला कलक्टर डॉ अमित यादव ने नदबई में आरओबी निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए आरओबी निर्माण कार्य में तेजी लाने, यथासंभव शीघ्राता शीघ्र आरओबी को शुरू करवाने के मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिससे आमजन को कस्बा नदबई में लगने वाले जाम के हालातों से छुटकारा मिल सके। जिला कलक्टर ने गांव हरनेरा में जेजेएम के तहत निर्माणाधीन टंकी का निरीक्षण किया एवं जेजेएम के तहत टंकी निर्माण के कार्य को जल्द पूरा कर पेयजल सप्लाई चालू करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला कलक्टर डॉ अमित यादव उप जिला अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने आईपीडी एवं ओपीडी वार्ड का निरीक्षण कर मरीजों से वार्ता की और अस्पताल में उचित साफ-सफाई एवं गर्मी के मौसम में मरीजों एवं परिजनों को ठंडा पानी, छायां एवं दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने आदि की व्यवस्था करने के लिए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए।

संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक ने ली समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर संभाग में आमजन को भीषण गर्मी एवं हीटवेव से राहत प्रदान करने हेतु संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से जयपुर संभाग में पेयजल व्यवस्था के सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही जल जीवन मिशन एवं स्वीकृत ग्रीष्मकालीन आकस्मिक कार्यों के तहत बकाया कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। जल आपूर्ति के दौरान चेकिंग के समय पायी गई अनियमितताओं का सकारात्मक रूप से निस्तारण करने तथा आमजन को पानी की आपूर्ति समय की सटीक जानकारी होने के संबंध में निर्देशित किया गया, जिससे की पानी का व्यर्थ बहाव न हो। वहीं, विद्युत विभाग के अधिकारियों से संभाग में विद्युत आपूर्ति एवं अन्य संबंधित विषयों पर चर्चा की। विद्युत विभाग के अधिकारियों को संभाग में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं खराब ट्रांसफार्मरों को निर्धारित समयावधि में बदलने हेतु निर्देशित किया गया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को नियंत्रण कक्ष में प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करने के निर्देश दियेचिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से गर्मी एवं हीटवेव के साथ-साथ मौसमी बिमारियों से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को राजकीय अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों से जुड़ी आवश्यक इंतजाम, सफाई व्यवस्था, उपकरणों एवं नर्सिंग कार्मिकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। वन विभाग के अधिकारियों को गांवों में जल स्त्रोतों का चिन्हीकरण कर यथासंभव जल स्त्रोतों के पास वृक्षारोपण करने तथा वृक्षारोपण हेतु आमजन को प्रेरित करने एवं मानसून में पौधारोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा एवं लक्ष्य से अधिक पौधारोपण किये जाने के प्रयासों के साथ-साथ रख-रखाव भी सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। पशुपालन विभाग के अधिकारियों को बेसहारा एवं गौशालाओं के पशुओं के लिए पेयजल, खाद्य सामग्री, दवाइयों एवं छाया की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिय गये।

बीजेएसएस पत्रकार संघ की हुई महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। जिला धौलपुर में भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान बीजे एसएस के दो पदाधिकारी संदीप शर्मा एवं जयसिंह गुर्जर का बड़े ही भव्य दिव्य तरीके से जन्मोत्सव का आयोजन जिला कार्यालय शिष्या ग्लोबल स्कूल में मनाया गया !पत्रकार संदीप शर्मा निजी कारण से जयपुर में होने के कारण उन्हें मोबाइल पर बधाई दी गई तथा पत्रकार जयसिंह गुर्जर को कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों एवं जिले के गणमान्य नागरिकों द्वारा माला साफा पहनकर जोरदार बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई ! जन्मोत्सव से पहले संगठन के पत्रकार साथियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया ! बैठक में अंतर राज्यीय पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन जून माह में करने का निर्णय लिया गया ! इसके लिए प्रदेश के पदाधिकारीयों को कार्यक्रम के मुख्यअतिथि तय करने एवं तिथि निर्धारित कर सूचना देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है ! इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनुराग मुदगल ने कहा कि जिस प्रकार पिछले चार पत्रकार सम्मेलन एवं मिलन समारोह प्रदेश महासचिव गोपेश राज पचौरी के नेतृत्व में बड़े ही शानदार तरीके से आयोजित किए गए थे ! उसी तरीके से पचौरी के मार्गदर्शन में यह पांचवा सम्मेलन भी भव्य दिव्य आयोजित होगा ! कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में अजय बिलोनिया, उपेंद्र दीक्षित, प्रिंस हुंडावाल, हरवीर शर्मा, दुर्गा शरण दुबे, रमाकांत शर्मा, शकील खान, भानु शर्मा, पुष्पेंद्र बघेल, आकाश पचौरी, अनूप शर्मा, डॉ. रामदास तरुण, सत्येंद्र बघेल, विजय सिंह लोधी सहित अनेक पत्रकार साथियों ने पत्रकार समारोह को लेकर अपने अपने सुझाव दिए ! इस शानदार आयोजन में शामिल होने वालों में लवकुश शर्मा, हल्ला बोल ग्रुप के जिलाध्यक्ष प्रमोद शर्मा एडवोकेट, बाल कल्याण समिति के सदस्य सोनपाल कपासिया बाल कल्याण समिति के पूर्व सदस्य गिरीश गुर्जर एडवोकेट,बार एसोसियन कि पूर्व जिलाध्यक्ष प्रिंस हुंडावाल पंचायत समिति पूर्व प्रधान मौनू जादौन गुर्जर कर्मचारी अधिकारी परिषद के अध्यक्ष मनोज पोषबाल हल्ला बोल टीम के लोकेश राजपूत, अशोक सिकरवार, विरार ठाकुर, राठौर समाजसेवी, रिंकू बोहरे, सचिन, सोनू गुर्जर, मनीष लकी राणा, आदि मौजूद रहे !

आतंकी हमले में मारें गए परिवार को राज्य सरकार देगी 50-50 लाख रुपए व संविदा पर नौकरी

- न्याय दिलाने भीषण गर्मी में 7 घंटे सड़क पर बैठी रही विधायक डॉ शिखा बराला
- भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा बने सरकार व आश्रितों के बीच का सेतु

चमकता राजस्थान

जयपुर (कमलेश शर्मा)। जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले ने जहां एक ओर पूरे देश में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया तो वहीं दूसरी ओर हमले में मारें गए कई परिवार को बिखेर कर रख दिया है। आपकों बता दें कि रविवार को शिवखेडी से कटरा जा रही श्रद्धालुओं की बस को आतंकवादियों ने निशाना बनाते हुए कई फायरिंग की। जिसके चलते बस ड्राइवर को गोली लग गई और नियंत्रण खोते हुए बस खाई में जा गिरी। घटना के दौरान 10 लोगों की मौत हो गई और कई दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए। वहीं मरने वाले 10 लोगों में 4 लोग एक ही परिवार के थे। जिनमें 2 चौमूं उपखंड और 2 जयपुर निवासी थे। वहीं रविवार रात्रि जैसे ही हमले की सूचना मिली तो क्षेत्र में मातम सा छा गया। जो देखते ही देखते आक्रोश में तब्दील होने लगा। मंगलवार सुबह जैसे ही रेलवे स्टेशन पर शव पहुंचे तो भारी संख्या में लोगों का जमघट लग गया और विरोधाभास नारेबाजी के बीच मृतकों के परिजनों को मुआवजे की मांग उठने लगी। देखते ही देखते चौमूं पुलिस थाने के बाहर व मुरलीपुरा थाने के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू हो गया। लगभग 7 घंटे तक चले धरने व प्रदर्शन के बाद आश्रितों को मुआवजा देने पर सहमति बनी। प्रशासन के अनुसार राज्य सरकार ने दोनों परिवारों को 50-50 लाख रुपए व संविदा नौकरी के साथ डेयरी बुथ आवंटन देने की घोषणा की। वहीं प्रदर्शन के दौरान कई बार पुलिस प्रशासन को शांति व्यवस्था कायम करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी तो कई बार हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। वहीं मंगलवार को हुए इस पूरे घटनाक्रम में अतिरिक्त जयपुर पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप व जयपुर पश्चिम पुलिस उपायुक्त अमित बुडानिया ने अपनी पूरी टीम के साथ मोर्चा संभाले रखा।वहीं दूसरी ओर मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि व न्याय दिलवाने के लिए चौमूं विधायिका डॉ शिखा बराला, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा, आरएलपी नेता छुट्टन यादव व चौमूं नगर परिषद सभापति विष्णु सैनी सहित क्षेत्र के पार्षद व सरपंचों ने धरना स्थल पर जंहा एक ओर मृतकों के परिजनों को संबल प्रदान किया तो वहीं दूसरी ओर प्रशासन से वार्ता कर सरकार तक परिजनों की मांग को पहुंचाने का काम किया। वहीं 7 घंटे तक चले धरने प्रदर्शन के दौरान हजारों की संख्या में लोगों की मौजूदगी रही तो दूसरी ओर धरने पर परिजनों के साथ बैठी महिला विधायक डॉ शिखा बराला ने खामोशी से जन संदेश प्रवाह करने का काम भी किया है। एक महिला विधायक का भीषण गर्मी में अपनी जनता के लिए 7 घंटे सड़क पर न्याय के लिए अंतिम समय तक बैठे रहना क्षेत्र में संदेश प्रवाह करता है कि जनसेवा जनता के बीच से शुरू होती है। एयरकंडीशन कमरों में तो सिर्फ सियासत होती है।

दिवंगत आत्माओ को यूडीएच मंत्री खर्रा ने दी श्रद्धांजलि....

आपकों बता दें कि सरकार और परिजनों के बीच मुआवजे की सहमति के बाद पुलिस थाने के बाहर लगा धरना खत्म हुआ। परिजनों के साथ सहमति के बाद दिवंगत आत्माओं की अंतिम यात्रा में क्षेत्र के कई नेताओं ने सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राज्य सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने उपस्थित होकर राज्य सरकार की ओर से दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रिजर्व पुलिस लाइन ग्रामीण में मनाया 75वां राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस

- पुलिस परेड, रक्तदान शिविर सहित विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन
- साहसिक कार्यों के लिए पुलिसकर्मियों एवं आमजन का किया गया सम्मान

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। राजस्थान पुलिस के 75वें स्थापना दिवस के मौके पर रिजर्व पुलिस लाइन, जयपुर ग्रामीण में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। पुलिस महानिरीक्षक, जयपुर रेंज अनिल कुमार टांक ने इस मौके पर पुलिस परेड की सलामी ली। इस मौके पर पुलिस बैंड की मधुर स्वर ध्वनियों से सभी अतिथियों का मनमोह लिया।समारोह में पुलिस महानिरीक्षक, जयपुर रेंज अनिल कुमार टांक ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरिप्रसाद सोमानी को डीजीपी डिस्क तो वहीं, कांस्टेबल हरीश कुमार शर्मा एवं जीवाराम को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित किया। इस मौके पर पुलिस महानिरीक्षक ने आमजन शुभम झालानी, सुरेश चंद,आर.सी.यादव, मदनलाल, मुन्ना खान शाहरुख खान, नजमू कुरैशी, सुनील असवाल को भी जीवन रक्षा एवं सड़क दुर्घटना में उनके साहसिक कार्य के लिए सम्मान से नवाजा। स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत रक्तदान शिविर एवं पुलिस प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में पुलिस अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने बढ़चढ़ कर रक्तदान किया। वहीं, रेंज आईजी अनिल कुमार टांक,जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरिप्रसाद सोमानी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इससे पहले पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर जयपुर ग्रामीण जिले के पुलिस थानों, पुलिस लाइन एवं कार्यालयों की सफाई भी की गई।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

पुलिस स्थापना दिवस समारोह में पुलिसअधिकारियों, पुलिसकर्मियों सहित सीएलजी सदस्यों, शांति समिति के सदस्यों, सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों सहित गणमान्य लोगों एवं आमजन ने शिरकत की।

किशनगढ़ के रेल्वे स्टेशन का हो रहा है कायाकल्प

जल्द ही शुरू होने जा रहा है चार एस्कलेटर व दो लिफ्ट लगाने का कार्य : पाटनी

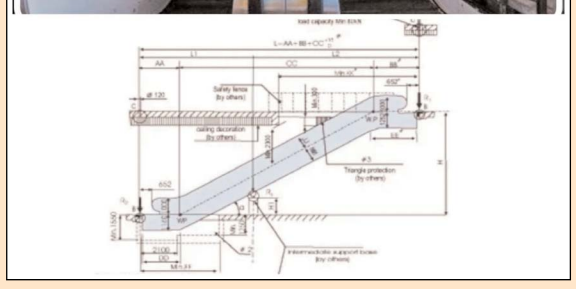

चमकता राजस्थान, मदनगंज-किशनगढ़ (रघुनंदन पारीक)। किशनगढ़ के रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर सुविधाजनक आने-जाने के लिये स्वचालित सीढ़ियां (एस्केलेटर) तथा लिफ्ट लगाने का कार्य अति शीघ्र शुरू होगा 'उत्तर पश्चिम रेलवे के सीनियर डी. ई. एन. महेश चंद्र मीणा ने रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य भाजपा नेता महेंद्र पाटनी को बताया कि जयपुर की अक्षय इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी को दोनों प्लेटफार्म पर आने जाने हेतु चार एस्केलेटर तथा दो लिफ्ट लगाने का कार्य आदेश जारी कर मौके पर बनी फुट ओवर ब्रिज के पास मार्किंग कर लेआउट दिया जाकर शीघ्र कार्य शुरू करने के लिए कह दिया गया है 'पाटनी के अनुसार सन 2017 में उद्घाटित किशनगढ़ का भव्य विशाल रेलवे स्टेशन के परिसर में एक लम्बे भूमिगत मार्ग तथा 75 सीढ़ियों वाली डबल स्टेक हाईट फुट ओवर ब्रिज से रेल यात्रियों को एक-दूसरे प्लेटफार्म पर आने-जाने में भारी मुश्किलों के मध्य नजर उनके तथा सांसद भागीरथ चौधरी व किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर जैन के प्रयासों से एस्केलेटर व लिफ्ट लगाने के लिये रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृति तो मिल गई थी,लेकिन तकनीकी व टेंडर प्रक्रिया की पेचीदगियो के चलते अटके कार्य को लेकर उनके द्वारा बराबर दबाव व बैठकों मे मुद्दा उठाये जाने से आखिरकार प्रयास रंग ले आये हैं। विदित है कि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर आवागमन केलिएएफ.ओ.बी.लिफ्ट तथा स्वचालित सीढ़ियां आदि तीनों के संगम से रेल यात्रियों के अलावा विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व दिव्यांगों तथा मरीजों आदि को बहुत राहत होगी इसके लिये पुनःबने भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा उत्तर पश्चिम रेलवे के सीनियर डी ई एन मीणा सहित सभी उच्च अधिकारियों व क्षेत्रीय रेल की तकनीकी टीम का आभार जताते हुए भाजपा नेता पाटनी ने बताया कि शीघ्र ही क्षेत्र के लाडले नव निर्वाचित केंद्र सरकार के कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एस्केलेटर व लिफ्ट का उद्घाटन कर रेल यात्रियों को लोकार्पित करेंगे।

श्री अन्नू मिल्क प्रोडक्ट लिमिटेड के यहाँ से 887 लीटर घी सीज

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। मंगलवार को क्राइम ब्रांच की सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मैसर्स श्री अन्नू मिल्क प्रोडक्ट लिमिटेड पर दबिश दी। यहां से डेयरी फ्रेश एवं बिलोना घी के दो सैंपल लिए गए। इनको जांच के लिए लैब में भेजा जायेगा। मिलावट की आशंका को देखते हुए मौके पर 887 लीटर घी सीज किया गया। कार्यवाही के दौरान अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत उपस्थित रहे।

सत्यम वाटिका बाड़ी में चल रहे योग अभ्यास

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। जिला धौलपुर के बाड़ी उपखण्ड में उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. भरत सिंह मीना योग प्रशिक्षक, अमित कुमार मीणा, रविंद्र सिंह शिविर में पहुंचकर ग्रीवा चालान पाद चालान कटि चालान ताड़ासन वृक्षासन त्रिकोणासन भद्रासन वज्रासन शासकासन मकरासन भुजंगासन सेतु बंधवासन पवनमुक्तासन श्वसन कपालभाति हम अनुलोम विलोम आदि आसनों का अभ्यास कराया इनसे होने वाले लाभ योग द्वारा किस प्रकार से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है योग के साथ-साथ में प्रत्येक योग से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया डॉ. भरत सिंह मीणा ने कहा योग से सभी वृत्तियों निरोध होता है यह नियम धारणा ध्यान समाधि करने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है नोडल प्रभारी डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव ने उपस्थित शिविर में कहा के अर्ध रोगों हरि निद्रा सर्व रोगों हरि क्षुदा आधे लोगों को निद्रा हारने वाली है और आधे रोगों को भूख करने वाली है हम नियमित व्यायाम योग करते हैं तो हमारा मस्तिष्क शरीर के हृदय लिवर हार्ट रक्त संचार पाचन क्रिया स्वस्थ रहती है शरीर में स्फूर्ति और मस्तिष्क में स्फूर्ति रहती है योग शिविर में जगदीश प्रसाद रावत सुनील कुमार गर्ग भारत विकास परिषद सोम कुमारी नतीलाल पहाड़ियां पूर्व सेवानिवृत्ति प्रिंसिपल आज वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के बीच जाकर योगाभ्यास कराया सभी से निवेदन किया गया।

पुलिस ने एक माह में 138 वाहनों के मोडिफाइड साइलेंसर निकलवाए

कई वाहन चालकों को बिना साइलेंसर की बाइक के साथ घर भेजा

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर शहर में बुलेट पर मोडिफाइड साइलेंसर लगाने का क्रेज लगातार बढ़ते जा रहा है। इसको लेकर ट्रैफिक पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। बुलेट पर मोडिफाइड साइलेंसर लगवाने के बाद युवाओं द्वारा पटाखे जैसी आवाज निकालते हुए ध्वनि प्रदूषण किया जा रहा है। इससे रास्ते मे गुजरने वाले राहगीर भयभीत हो रहे है। इसको लेकर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बुलेट चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। एक माह पूर्व एसपी सुमित मेहरड़ा द्वारा क्राइम बैठक के दौरान शहर में ड्राइवरों द्वारा पटाखे जैसी आवाज निकालने वालों के खिलाफ अंकुश लगाने के लिए

ट्रैफिक इंस्पेक्टर टीनू सोगरवाल

को निर्देशित किया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर के नेतृत्व मे शहर के मुख्य चौराहे पर एक माह से लगातार कार्यवाही की जा रही है। अब तक 93 मोटसाइकिल से मोडिफाइड साइलेंसर उतरवाए गए, जिनके चालान भी किए गए। वहीं 45 बुलेट के साइलेंसर उतरवाते हुए 45 हजार का नकद जुर्माना वसूला गया। इसके बाद ड्राइवरों को बिना साइलेंसर के घर भेजा गया। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इसलिए वाइक चालक इस तरह के साइलेंसर न लगाएं। ट्रैफिक पुलिस टीनू सोगरवाल ने शहर की जनता से अपील करते हुए कहा है की मोटरसाइकिलों पर मोडिफाइड साइलेंसर न लगवाएं। इससे रास्ते से गुजरतीं महिलाएं, युवतियां और आसपास चल रहे वाहन चलाने वाले भयभीत हो जाते है। कभी-कभी हादसे भी हो जाते है। इसलिए कंपनी द्वारा लगाए गए साइलेंसर का ही प्रयोग करें।

कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया राज्य मन्त्री भड़ाना का जन्मदिन

चमकता राजस्थान, श्रीनगर (रघुनन्दन पारीक)। श्रीनगर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री ओमप्रकाश भड़ाना के जन्मदिन को उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास एवं उत्साह से मनाया इस दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए एडवोकेट गोरधन लाल गुर्जर ने बताया कि भडाना के जन्मदिन पर गौशाला में गायों को चारा खिलाकर तथा जरूरतमंदो को आवश्यक खाद्य सामग्री वितरित की गयी इसके साथ ही गुर्जर ने आगे बताया कि जन्मदीन के अवसर पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमे लवेरा ग्रामीणों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान बार एडवोकेट शिवजी राम गुर्जर, एडवोकेट हरिराम गुर्जर, आशु गुर्जर, जितेंद्र माली, लक्ष्मण गुर्जर, जुगराज मेघवंशी, सोजी सेन, विष्णु वैष्णव, गोपाल लाल गुर्जर, सरपंच शकर लाल जाट जसराज ठेकेदार, महेंद्र गुर्जर आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जयपुर में पुलिस थाना हरमाड़ा का उपनिरीक्षक पुलिस (बैच-2021) 40 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

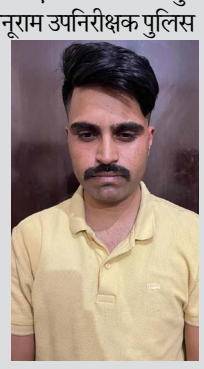

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 जून, मंगलवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की जयपुर नगर प्रथम इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये सोनूराम उपनिरीक्षक पुलिस (बैच-2021) पुलिस थाना हरमाड़ा, जयपुर पश्चिम, आयुक्तालय को परिवादी से 40 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी. बी. की जयपुर नगर प्रथम इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरूद्ध दर्ज प्रकरण में धाराएँ हल्की करने, आरोपी परिवार के एक सरकारी कार्मिक मुलजिम नहीं बनाने तथा अधिक पी.सी. रिमाण्ड नहीं लेने की एवज में प्रति व्यक्ति 40 हजार रुपये के हिसाब से आरोपी सोनूराम उपनिरीक्षक पुलिस (बैच-2021) पुलिस थाना हरमाड़ा, जयपुर पश्चिम, आयुक्तालय द्वारा 2 लाख रुपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रवि के सुपरवीजन में एसीबी की जयपुर नगर प्रथम इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उप अधीक्षक पुलिस नीरज गुरनानी द्वारा मय टीम के कार्यवाही करते हुए आरोपी सोनूराम उपनिरीक्षक पुलिस (बैच-2021) पुलिस थाना हरमाड़ा, जयपुर पश्चिम, आयुक्तालय को परिवादी से 40 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हैल्पलाईन नं. 1064 एवं हँ३रंस्त्रस्त्र हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24७7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी।

मुक्त मंच जयपुर की 84 वीं संगोष्ठी रोजगार के अवसर और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित हुई

- **बेरोजगारी मिटाने के लिए सर्वांगीण विकास का संकल्प लेना होगा : डॉ. कुसुम**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। मुक्त मंच, जयपुर की 84 वीं संगोष्ठी रोजगार के अवसर और चुनौतियाँ विषय पर परमहंस योगिनी डॉ .पुष्पलता गर्ग के सान्निध्य, बहुभाषाविद डॉ. नरेन्द्र शर्मा कुसुम की अध्यक्षता, पूर्व आईएएस अरुण ओझा के मुख्य आतिथ्य और शब्द संसार के अध्यक्ष श्री श्रीकृष्णा शर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र शर्मा कुसुम ने कहा कि रोजगार का व्यापक अर्थ जीवन प्रबन्धन से है। रोजगार का अर्थ नौकरी ना होकर जीवनयापन का कर्म करना है। रोजगार की वर्तमान समस्या भौतिकता से ओतप्रोत हमारी बढती हुई जीवनशैली है, श्रम की गरिमा की उपेक्षा और व्यक्ति और समाज की सुविधापरक मानसिकता है। एक जमाना था जब गाँव आत्मनिर्भर थे, सामाजिक सद्भाव था किन्तु आज गावों से पलायन और शहरों में हताशा निराशा है। सामाजिक प्रतिष्ठा, स्थायित्व, पेंशन और अपेक्षाकृत अधिक मासिक आय के कारण सरकारी नौकरियों के प्रति सम्मोहन है। अत गाँवों को आत्मनिर्भर बनाया जाए ताकि रोजगार बढ़ सकें। सरकार को सर्वांगीण विकास का संकल्प लेना होगा तभी लोकतन्त्र सफल होगा और बेरोजगारी मिटेगी। मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस अधिकारी अरुण ओझा ने कहा कि हमें गाँधी की ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था की ओर लौटना होगा जिससे गाँवों में निर्माण कार्य हो और उत्पादन को शहरों में लाया जाय तो हर आदमी को रोजगार मिल जाएगा पर हम कोरपोरेटाइजेशन के चक्कर में फंस गए। कौशल विकास की कई योजनाएँ हैं पर वे जितनी प्रभावी होनी चाहिए नहीं हो पाई। संगोष्ठी संयोजक श्रीकृष्ण शर्मा ने कहा कि जनसंख्या को लेकर 2047 तक भयावह स्थिति बन जाएगी। बढती सामाजिक असमानताओं पर ठोस कार्यवाई और लक्षित परियोजनाओ के बावजूद एससी, एसटी, ओबीसी, एमबीसी के लोग आज भी उच्च पदों से बहुत दूर है। अनेक उपायों के बावजूद बेरोजगारी बढ़ी है। विट्ठल पारीक ने कहा कि विकास का रास्ता पूंजीवादी सोच का परिणाम है।जिसे काम मिल जाता है वह कामचोरी करने लगता है और इसके विपरीत काम की तलाश में बैठे शिक्षित बेरोजगार भटकते रहते हैं। रौबदाब, व्हाइट कॉलर वाला, प्रतिष्ठित पाँच जीरों वाला वेतन चाहे तो कोई उपाय नहीं। संगोष्ठी में पूर्व आईएएस आर.सी. जैन, डॉ सत्यवीर ऋषिराजदेव पौली, कलाकार अरुण ठाकर, मुदिता ठाकर, जनसम्पर्ककर्मी सुमनेश शर्मा ने वैचारिक अवदान किया।

प्रदेशवासियों को मिले निर्बाध विद्युत आपूर्ति, प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध पूरा के संबंध में दिये गये दिशा-निर्देश

ऊर्जा विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का हुआ विधिवत आयोजन : लिये गये ऐतिहासिक फैसले

पीएम-कुसुम योजना का अभियान चलाकर करें प्रचार-प्रसार : सीएम भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए विभिन्न विद्युत निगमों एवं केन्द्रीय उपक्रमों के साथ हुए एमओयू को समयबद्ध पूरा करें जिससे आमजन को सुचारू रूप से निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रोजेक्ट्स की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो जिससे आमजन, किसान तथा उद्यमी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ऊर्जा विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की भौगोलिक स्थिति के दृष्टिगत कुछ माह राज्य में विद्युत की मांग उपलब्धता से कहीं अधिक रहती है लेकिन अब राज्य सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में हाल ही में किए गए एमओयू के क्रियान्वयन से राजस्थान की विद्युत मांग की भी पूर्ति होगी तथा राज्य विद्युत उत्पादन में सरप्लस की श्रेणी में आ जाएगा।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्रीय उपक्रमों से समन्वय स्थापित कर इन एमओयू का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी रबी फसल के सीजन को देखते हुए विभाग अपनी तैयारियां पूरी रखें जिससे किसानों को सिंचाई हेतु सुचारू विद्युत आपूर्ति मिल सके।

- **कलक्टर करें बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ मुखर रूप से बैठक :**

» शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत किसानों को सोलर पंप लगाने में वित्तीय सहयोग के लिए जिला कलक्टर बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करें जिससे इस प्रक्रिया में किसानों के लिए वित्तीय बाधा को दूर किया जा सके। उल्लेखनीय है कि पीएम-कुसुम कंपोनेंट 'बी' के तहत 70 हजार से अधिक किसानों को योजना का लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को आगामी 10 वर्ष की मांग को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनानी चाहिए जिससे भविष्य की मांग को वर्तमान के प्रोजेक्ट्स में शामिल किया जा सके।

सहकारिता मंत्रालय में नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने पर जोर रहेगा: अमित शाह

नयी दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए जमीनी स्तर पर नीतियों को लागू कर सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प जताया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी सहयोगी शाह को सोमवार को गृह मंत्री के साथ सहकारिता मंत्रालय भी आवंटित किया गया था. उनके पास पिछले कार्यकाल में भी सहकारिता मंत्रालय का कार्यभार था.

वह वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय का गठन होने के बाद से ही इसका प्रभार संभाले हुए हैं. शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय पहुंचकर इसका कार्यभार संभाला और अपने मंत्रालय की प्राथमिकताओं पर रोशनी डाली. उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के लिए 100 दिन की योजना को लागू किया जाना है. शाह ने कहा, ''हमने पिछले कार्यकाल में सहकारिता क्षेत्र के विकास की नींव रखी. हम अगले पांच साल में नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने को लेकर ध्यान केंद्रित करेंगे.

मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में शाह ने बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम में संशोधन, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के लिए मॉडल उपनियमों के निर्माण और निर्यात, बीज एवं जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तीन बहु-राज्य सहकारी समितियों की स्थापना सहित प्रमुख नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस-2024

राज्य स्तरीय समारोह, रक्तदान शिविर और पुलिस बैंड प्रदर्शन बुधवार को

- **मुख्यमंत्री आरपीए ग्राऊंड में लेंगे परेड की सलामी, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए देंगे पुलिस पदक**

चमकता राजस्थान जयपुर! (खलील कुरैशी?)11 जून। राजसथान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार, 12 जून को जयपुर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) परिसर में राज्य स्तरीय समारोह होगा। इसमें मुख्यमंत्री शर्मा सेरेमोनियल परेड की सलामी लेंगे तथा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान करेंगे। आरपीए में इस समारोह के बाद रक्तदान शिविर का भी आयोजन होगा। वहीं शाम को जवाहर सर्किल पर पुलिस बैंड का डिस्प्ले होगा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि आरपीए में यह कार्यक्रम बुधवार को सुबह 7.30 बजे से आरम्भ होगा। आरपीए के परेड ग्राऊंड में आयोजित होने वाली सेरेमोनियल परेड में राजस्थान पुलिस अकादमी, चतुर्थ एवं पांचवी बटालियन आरएसी, हाड़ी रानी बटालियन, एसडीआरएफ, जीआरपी, एमबीसी एवं ईआरटी की एक-एक प्लाटून के अलावा जयपुर पुलिस आयुक्तालय की तीन प्लाटून (निर्भया स्कवॉड प्लाटून, पुलिसकर्मी प्लाटून और यातायात प्लाटून) भाग लेंगी। सेरेमोनियल परेड में आरपीए के सेन्ट्रल बैंड की भागीदारी होगी।

डीजीपी ने बताया कि इस समारोह के बाद आरपीए में ही रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं बुधवार, 12 जून को शाम 7 बजे से जयपुर में जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका गेट पर पुलिस बैंड का प्रदर्शन किया जाएगा, इसमें राजस्थान पुलिस कें सैन्ट्रल बैंड, हाड़ी रानी बटालियन और संयुक्त बैंज (ब्रास बैंड) का डिस्प्ले होगा। राज्य स्तर पर गुरुवार, 13 जून को प्रातः 10 बजे से 11.30 बजे तक जयपुर में आरपीए में पुलिस कार्यों में विधि विज्ञान से जुड़े विषयों पर सेमीनार आयोजित होगा। इसी दिन शाम को आरपीए में सांस्कृतिक संध्या और बड़ा खाना का आयोजन रखा गया है।

निगम हेरिटेज में हो रहा है व्यापक स्तर भ्रष्टाचार : उपमहापौर असलम फारुखी

एसीबी को लिखा पत्र, अधिकारी जारी कर रहे हैं फर्जी पट्टों का काला कारोबार

चमकता राजस्थान

जयपुर !(खलील कुरैशी)। नगर निगम जयपुर हेरिटेज और विवादों के चोली दामन के साथ पर एक बार फिर से सियासी घमासान शुरू हो गया है और अब जयपुर हैरिटेज उप महापौर असलम फारूखी ने निगम के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार को आरोप लगाते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को पत्र लिखा है। एसीबी को लिखे पत्र में लिखा कि निगम अधिकारी खुलकर भ्रष्टाचार करने में लगे है और मामला सामने आने के बाद भी उसकी जांच तक नहीं करवाई जा रही है।उप महापौर फारुखी ने बताया कि हवामहल आमेर जोन उपायुक्त करतार सिंह ने फर्जी दस्तावेजों से मंदिर का पट्टा किसी दीपक कुमार शर्मा के नाम 9 नवंबर, 2022 को जारी कर दिया। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन उन्होंने कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया। उन्होंने बताया कि स्थानीय निवासी शोएब कुरैशी ने मंदिर का फर्जी पट्टा जारी करने के संबंध में आयुक्त को 1 सितंबर, 2023 को शिकायत देते हुए सिटी सर्वे रिकॉर्ड की कॉपी पेश की, जिसमें मंदिर श्रीठाकुर जी का होना दर्शाया गया है। इस संबंध में 22 मार्च 2024 को देवस्थान विभाग ने भी हवामहल निगम उपायुक्त को यह भूमि श्री ठाकुर जी का मंदिर होना बताया तथा विक्रय पत्र पंजीयन होने से रुकवाने व जांच करने के लिए लिखा। फारूखी ने बताया कि जोन उपायुक्त के फर्जीवाड़े को लेकर उन्होने खुद आयुक्त को इसकी शिकायत करने के साथ ही नोट-शीट भी चलाई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर अब एसीबी में शिकायत भेजी है। 28 मई, 2024 को हवामहल आमेर जोन उपायुक्त करतार सिंह ने सभी पत्रों पर कार्रवाई करने के स्थान पर दीपक कुमार शर्मा को भवन एवं दुकान मरमत की स्वीकृति भी जारी कर दी। इस संबंध में 31 मई, 2024 को फईम कुरैशी नाम के व्यक्ति ने उप महापौर कार्यालय में उक्त प्रकरण के संबंध में समस्त जानकारी एवं दस्तावेज शिकायत पत्र द्वारा प्रस्तुत किए। इस पर उप महापौर कार्यालय से आयुक्त को एक नोटशीट लिखी, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर एसीबी को भ्रष्टाचार की जांच करने के लिए पत्र लिखा है।

डेढ़ करोड़ रु. की भनक लगी तो भाई ने साथियों के साथ मिलकर बहन के घर डाला डाका, रुपए लेकर हो गया फरार

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर एक आरोपी गिरफ्तार, 1 करोड़ 47 लाख रुपए भी किये बरामद

चमकता राजस्थान

खाटूश्यामजी। खाटूश्यामजी थाना अंतर्गत वार्ड-18 में भाई नेतीन साथियों के साथ बहन के घर में डाका डालकर डेढ़ करोड़ रुपए लेकर फरार हो गया, इनमें से एक युवक पुलिस की गश्त के दौरान नक दी सहित पकड़ में आ गया। घटना का मास्टरमाइंड मनोज रैगर है, जिसने तीन साथियों के साथ मिलकर अपने जीजा बंशीलाल खटीक के घर डाका डाला। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी बिना नंबर की बाइक से रेनवाल के रास्ते कुचामन की ओर भाग रहे थे। इसी दौरान रात करीब 2 बजे गश्त कर रही पुलिस ने इन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस को देखकर इन्होंने बाइक की गति बढ़ा दी। पुलिस के पीछा करने के दौरान इनमें से तीन युवक भाग निकले लेकिन पुलिस ने मनोज रैगर को पकड़ लिया। साथ ही पुलिस ने मौके से जीजा के घर से लूटी गई शीश भी बरामद करली।

- **पैसों का किया पीहर में जिक्र**

» मामले में पीड़ित बंशीलाल ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 9 जून को कुचामन सिटी गए थे, वहां पत्नी ने पैसों का जिक्र पीहर पक्ष में कर दिया। पैसों की भनक लगते ही साला विकास अपने साथी मनोज रैगर, प्रकाश व एक अन्य के साथ घर आकर वारदात को अंजाम दे गया।

- **नोट गिनती के लिए बैंक से बुलाया कर्मचारी**

» रेनवाल थानाधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि नोटों की गिनती के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से कर्मचारियों को बुलाया गया, जिन्होंने मशीनों से नोटों की गिनती की। पुलिस ने एक करोड़ 47 लाख 41 हजार 600 रुपए बरामद किए गए।

एक नजर

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 85 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया

क्वेटा। सुरक्षा बलों ने अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश करने के आरोप में सीमावर्ती चगाई जिले में 85 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया। पाकिस्तान के समाचार पत्र डान में अधिकारियों के हवाले से छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नागरिकों के पास कोई यात्रा दस्तावेज नहीं थे। इनको बिना कानूनी यात्रा दस्तावेजों के पाकिस्तान की सीमा के अंदर दबोचा गया। रिपोर्ट के अनुसार यह सभी अफगान नागरिक यहां से ईरान में प्रवेश करने की जुगत में थे। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि अफगान नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया और आगे की जांच के लिए उन्हें लेवी बल को सौंप दिया गया है।

अवैध मिट्टी खनन मामले में 8 गिरफ्तार

कानपुर। अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत महाराजपुर थाने की पुलिस ने मंगलवार को गंगा के किनारे उमरना गांव में अवैध रूप से मिट्टी खुदाई करते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार किया और मौके से मिट्टी से लदे हुए दो ट्रैक्टर व ट्रॉली बरामद किया। जबकि मौके से एक ट्रैक्टर चालक फरार हो गए। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में महाराजपुर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव निवासी गुड्डू यादव, पिंटू यादव उर्फ राघवेंद्र, राजेंद्र निगम, उमरना गांव निवासी रिषभ यादव, बलवीर और राजापुर निवासी छोटू यादव, भदासा निवासी पवन, शिव भोला है। उन्होंने बताया कि पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के निर्देश पर अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत महराजगंज थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर गंगा के किनारे अवैध रूप से मिट्टी की खुदाई करते हुए उमराना गांव के पास से 8 लोगों को गिरफ्तार किया। मौके से एक ट्रैक्टर चालक भागने में कामयाब हो गया।

उत्तराखंड को मिले 1562 करोड़, मुख्यमंत्री ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

देहरादून। केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में 1562.44 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री का आभार जताया है। धामी ने कहा कि इस धनराशि के जरिए प्रदेश की विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के साथ ही नई योजनाओं के संचालन में सहायता प्राप्त होगी।

चार मंजिला आवासीय इमारत में लगी आग

मियामी। अमेरिका के मियामी शहर में सोमवार सुबह एक चार मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई। इस आग से दो लोग घायल हो गए हैं। शहर के मेयर ने यह जानकारी दी। मेयर फ्रांसिस सुआरेज ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सुबह करीब 8 बजकर 15 मिनट पर आग लगने की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन कर्मी और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मेयर ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान दो अग्निशमनकर्मी घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि दोनों की हालत स्थिर है।

अपहरण का आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिद्वार। नाबालिग के अपहरण के मामले में आरोपित को झबरेड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर नाबालिग को भी सकुशल आरोपित के कब्जे से बरामद कर लिया। मुताबिक थाना झबरेड़ा निवासी नाबालिग की बहन ने बताया कि उसने अपनी उम्र 16 वर्ष बहन को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपित साकिब के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने पीड़िता को आरोपित साकिब निवासी ग्राम शाहपुर साल्हापुर थाना गंगनगर जिला हरिद्वार को पुहाना चौक से गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से अपहर्ता को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपित का चालान कर दिया है।

दारोगा समेत पांच पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना में तैनात दारोगा समेत पांच पुलिस कर्मियों को मंगलवार को लाइन हाजिर कर दिया गया है। मानवाधिकार आयोग के हस्तक्षेप के बाद पुलिस कर्मियों पर यह कार्रवाई हुई है। जानकारी के मुताबिक, चिनहट थाना क्षेत्र में बीते दिनों एक बस के परिचालक की पिटाई कर दी गई थी। पीड़िता ने पुलिस अधिकारियों से इसकी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब इस मामले में मानवाधिकार आयोग ने हस्ताक्षेप किया तो डीसीपी ने दोषी पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

पुलिस को सीआरपीसी के तहत पुनर्विवेचना का आदेश देने का अधिकार नहीं : हाई कोर्ट

कोर्ट ने पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा गौतमबुद्धनगर व इंस्पेक्टर क्राइम से मांगा हलफनामा

● चार्जशीट को आरोपित ऋषि अग्रवाल ने हाई कोर्ट में चुनौती दी

प्रयागराज। एजेंसी

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपना एक महत्वपूर्ण आदेश पारित कर कहा है कि पुलिस दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173 (8) के अंतर्गत पुनर्विवेचना कर सकती है लेकिन ऐसा करने से पहले उसे मजिस्ट्रेट की अनुमति लेना जरूरी है। मजिस्ट्रेट की अनुमति लिए बगैर विवेचना करने का पुलिस को कोई अधिकार नहीं है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पुलिस का कोई भी अधिकारी चाहे वह विवेचना अधिकारी हो अथवा प्रदेश का डीजीपी किसी को भी पुनर्विवेचना का अधिकार नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि ऐसा करने का अधिकार केवल हाई कोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट को है, किसी पुलिस अधिकारी को नहीं। यह आदेश जस्टिस जेजे मुनीर एवं जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने याची नवनीत की याचिका पर पारित किया है। याची के अधिवक्ता आलोक कुमार यादव ने कोर्ट को बताया कि गौतमबुद्धनगर के थाना फेज तीन में एक प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 406, 467, 468, 120बी के तहत दर्ज कराया गया। पुलिस ने विवेचना के बाद इसमें चार्जशीट भी दाखिल कर दी। इस चार्जशीट को आरोपित ऋषि अग्रवाल ने हाई कोर्ट में चुनौती दी और हाई कोर्ट ने चार्जशीट को सही मानते हुए अर्जी खारिज कर दी थी। इसी मामले में डिप्टी कमिश्नर गौतमबुद्ध नगर ने पुनर्विवेचना का आदेश पारित कर दिया। इसके बाद इंस्पेक्टर क्राइम सेल गौतमबुद्धनगर राधारमण सिंह ने विवेचना शुरू कर दी और 6 मई 2024 को फाइनल रिपोर्ट भी लगा दिया। अब इंस्पेक्टर याची को थाने बुलाकर साक्ष्य प्रस्तुत करने का दबाव बना रहे हैं और नोटिस भेजा है।

याचिका दाखिल कर अधिवक्ता आलोक कुमार यादव का तर्क था कि पुलिस को ऐसा करने का क्षेत्राधिकार ही नहीं है। हाई कोर्ट ने याचिका को स्वीकार कर पुनर्विवेचना का आदेश देने वाले डिप्टी कमिश्नर आफ पुलिस सेंट्रल नोएडा गौतमबुध नगर तथा इंस्पेक्टर क्राइम सेल राधा रमन सिंह से उनका व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने को कहा है कि वह बताएं कि किन कारणों से उनके द्वारा इस प्रकार का आदेश पारित किया गया विशेष कर तब जब इस केस में चार्जशीट भी फाइल हो गई है तथा मजिस्ट्रेट ने उस पर संज्ञान भी ले लिया है। कोर्ट ने अन्य विपक्षियों से भी इस मामले में 3 सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रथमदृष्टया पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा गौतमबुध नगर को पुनर्विवेचना का आदेश देने का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का प्रयोग मजिस्ट्रेट की अनुमति के बाद किया जा सकता है।

पत्नी ने हत्यारों से कराई थी पति की हत्या

बलिया। मुम्बई में रह रही पत्नी अपने पति की हरकतों से तंग थी। उसने पांच दिन पहले भाड़े के हत्यारों द्वारा अपने पति की गला रेत कर हत्या करा दी थी। पुलिस ने मृतक की पत्नी व हत्या में शामिल दो लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। भीमपुरा थाना अन्तर्गत भीमपुरा नं एक में छह जून की रात विनोद सिंह की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। एसपी देवरंजन वर्मा ने घटना के खुलासे के लिए स्वाट टीम व भीमपुरा पुलिस को टास्क दिया। पुलिस टीम साक्ष्यों के आधार पर हत्यारों तक पहुंच गई। जिसके बाद यह तथ्य सामने आया कि विनोद सिंह की हत्या उनकी पत्नी ने ही कराई है। पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा ने मंगलवार को विनोद सिंह की हत्या पर से पर्दा उठाते हुए बताया कि विनोद की अय्याशियों से तंग आकर उसकी पत्नी अनिता सिंह अपने बेटे के साथ मुम्बई रहने लगी थी। विनोद के कई महिलाओं से अवैध संबंध थे। इसके अलावा वह अपनीं प्रॉपर्टी बेचकर अय्याशी में खर्च कर रहा था। यह सब देख अनिता ने उसे ठिकाने लगाने का प्लान तैयार किया। इसके लिए उसने मुंबई में ही रहने वाले प्रतापगढ़ निवासी सुनील सिंह से संपर्क किया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अमेरिका समर्थित संघर्ष विराम प्रस्ताव पारित किया

न्यूयॉर्क। एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा पट्टी के लिए अमेरिका समर्थित संघर्ष विराम प्रस्ताव पारित कर दिया। परिषद के 15 सदस्यों में से 14 ने पक्ष में मतदान किया। रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। वह अनुपस्थित रहा। रूस के पास वीटो शक्ति है। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने रिपोर्ट में लिखा है कि एक तरह से परिषद ने वाशिंगटन को कूटनीतिक जीत दिलाई है, क्योंकि इससे पहले अमेरिका परिषद के समक्ष पिछले तीन संघर्ष विराम प्रस्तावों को वीटो कर चुका था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पारित होने के बाद संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत सुश्री लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा हिंसा के इस चक्र को समाप्त करने और टिकाऊ शांति बनाने का एकमात्र तरीका राजनीतिक समझौता है।ह सुश्री ग्रीनफील्ड ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका

यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि इजराइल समझौते पर सहमत हो और कतर और मिस्र हमास को बातचीत की मेज पर लाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा सहयोगियो, आज हमने शांति के लिए मतदान किया।

इस प्रस्ताव में तीन चरण की योजना बनाई गई है, जो तत्काल युद्धविराम, इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले में सभी बंधकों की रिहाई, विस्थापित गाजावासियों की उनके घरों में वापसी और गाजा से इजराइली सेना की पूर्ण वापसी के साथ शुरू होती है। दूसरे चरण में दोनों पक्षों की सहमति से स्थायी युद्धविराम का आह्वान किया गया है और तीसरे चरण में गाजा के लिए एक बहुवर्षीय पुनर्निर्माण योजना और मृत बंधकों के अवशेषों की वापसी शामिल होगी।

प्रस्ताव में कहा गया है कि यदि पहले चरण की बातचीत में छह सप्ताह से अधिक समय लगता है, तब भी जब तक बातचीत जारी रहेगी तब तक संघर्ष विराम जारी रहेगा। इसमें गाजा पट्टी में जनसांख्यिकीय या क्षेत्रीय परिवर्तन के किसी भी प्रयास को भी खारिज कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के प्रतिनिधि सुश्री शापिर बेन नफ्ताली ने कहा है कि युद्ध में उनके देश के लक्ष्य नहीं बदले हैं।

यूरोपीय संघ के चुनाव में सबसे मजबूत नेता बनकर उभरीं मेलोनी

मिलान। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी यूरोपीय संसदीय चुनाव में यूरोपीय संघ की सबसे स्थिर नेता के तौर पर उभरी हैं। मेलोनी इस सप्ताह के सात औद्योगिक राष्ट्रों के समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगी। जर्मन और फ्रांसीसी समकक्षों को यूरोपीय संसदीय चुनावों से झटका लगा है जबकि मेलोनी के दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली को इटली मजबूत होकर उभरी हैं। इससे वह यूरोप में भी एक मजबूत नेता के तौर पर उभरी हैं। मेलोनी के ठोस नतीजों ने इतालवी राजनीति में एक स्थिरता पैदा की है। मेलोनी ने सोमवार को समर्थकों से कहा, मुझे गर्व है कि इटली को जी7 में और यूरोप में सबसे मजबूत सरकार के रूप में खुद को पेश करते हुए एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी है। मेलोनी इस सप्ताह अपनी भूमिका को और मजबूत करेंगी, जब वह 13-15 जून को दक्षिणी पुगलिया क्षेत्र में जी7 बैठक का नेतृत्व करेंगी। इस बैठक में वैश्विक संघर्षों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रसार और अफ्रीका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सच्चा काम, पक्का काम से पूर्ण होगा विकसित भारत का संकल्प : असीम

लखनऊ। एजेंसी

समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने मंगलवार को कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आवश्यक है कि सच्चा काम, पक्का काम के मूल मंत्र को आत्मसात कर पूरी ईमानदारी से अपना काम किया जाये। क्योंकि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में हम सबका बड़ा योगदान होगा। समाज कल्याण राज्यमंत्री ने यूपी स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपी सिडको) में आयोजित तकनीकि कार्यशाला में लोगों को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में इनोवेशन को बढ़ावा देने का समय है, ताकि जो भी कार्य किया जाये वो विश्व स्तर का हो। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन हर दो माह में होना चाहिए ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो सके। इस मौके पर विशेषज्ञों ने बताया कि जैसे-जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव आया है उसी तरह निर्माण के क्षेत्र में भी नए अनुसन्धान की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार साझा किया। कार्यशाला से सिडको के प्रदेश भर में तैनात अभियंता ऑनलाइन जुड़े। इस दौरान कार्यशाला में विभिन्न निर्माण एजेंसियों के अभियंताओं ने तकनीकि आधारित निर्माण को बढ़ावा देने पर मंथन किया। इस मौके पर सिडको के एमडी प्रकाश बिंदु, आदिल सिंह, निर्मल जी सहित ब्रिज कापोर्रेशन, पैक्सफेड, निर्माण निगम सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के अभियंता उपस्थित रहे।

मनरेगा के तहत होगा 14.70 लाख पौधारोपण का लक्ष्य

कानपुर। एजेंसी

ग्राम पंचायत विभाग ने कानपुर में मनरेगा के तहत इस वर्ष 14 लाख 70 हजार पौधरोपण का लक्ष्य तैयार किया है। पौधे रोपड़ से पूर्व तैयार होने वाले गड्ढों को मनरेगा के मजदूर को लगाया जाएगा। यह जानकारी मंगलवार को कानपुर नगर उपायुक्त श्रम रोजगार डीसी मनरेगा सुधा शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद में पर्यावरण के तहत पौधरोपण के लिए ग्राम पंचायत विभाग उत्तर प्रदेश ने कानपुर जनपद में गड्ढे तैयार करने का लक्ष्य तय किया है। मनरेगा के मजदूर 14.70 लाख गड्ढों को तैयार करेंगे। इसकी तैयारी को लेकर कानपुर के सभी विकासखंड अधिकारियों को पत्र भेजकर अवगत कराया जाएगा। जिससे यह लक्ष्य तय समय पर पूरा कर लिया जाए।

इस संबंध में ग्राम पंचायत विभाग उप्र लखनऊ ने कानपुर नगर के लिए 14 लाख 70 हजार गड्ढे तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसकी तैयारी को लेकर पत्र भी भेजे जा रहे हैं। इस कार्य को पूरा करने के लिए मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों से पूरा कराया जाएगा।

जीवन के बाद भी सदैव मिसाल बना रहता है प्राचार्य और शिक्षक : रमेश

भोपाल। एजेंसी

बावड़िया कला स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ई.एम.आर.एस.) भोपाल में सोमवार को जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित सीएम राइज विद्यालय और कन्या शिक्षा परिसर के बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा और प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय आयोजन में प्रदेश के 23 जिलों से 550 से अधिक प्राचार्य और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (आर.आई.ई) भोपाल के विषय विशेषज्ञों और पिरामल फाउंडेशन के सदस्यों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। सफलता का अपना फॉर्मूला तैयार करें।

प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य डॉ ई रमेश कुमार कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में

उन्होंने कहा कि जनजातीय सीएम राइज विद्यालयों और अन्य विद्यालयों में विद्यार्थियों को अच्छा परिवेश प्रदान करना प्राचार्य का कर्तव्य है।

किसी विद्यालय में फ्रेंडली और इनफॉर्मल माहौल होने से वहां अपेक्षाकृत बेहतर परीक्षा परिणाम देखने को मिलते हैं। आप इसे चैलेंज के रूप में लें और अपनी आवश्यकताओं व परिस्थिति के अनुसार सफलता का अपना फॉर्मूला तैयार करें। उन्होंने कहा कि विभाग के ही कन्या शिक्षा परिसर से पढ़कर हमारे विभाग में आईएएस बनकर उपसचिव पदस्थ मीनाक्षी सिंह आप सब के लिए एक उदाहरण हैं।

क्योंकि उस समय उनकी प्रिंसिपल घर-घर जाकर छात्राओं को पढ़ाती थीं, उनका एडमिशन करवाती थीं। आज उनकी पढ़ाई ज्यादातर छात्राएं अच्छे पदों पर हैं। उनके देहांत के बाद भी आज हम उन्हें याद कर रहे हैं। इस तरह एक प्राचार्य और शिक्षक अपने जीवन के बाद भी सदैव मिसाल बना रहता है। उन्होंने शत प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने वाले प्राचार्यों को बधाई भी दी। जनजातीय कार्य विभाग की उपसचिव मीनाक्षी सिंह ने भी कार्यशाला को संबोधित किया और कहा कि 30 वर्ष पूर्व जब मैं विभाग के कन्या शिक्षा परिसर कुक्षी में पढ़ती थीं।

कार्य का वेरिफिकेशन न होने से खफा निर्माण मजदूरों का धरना

फतेहाबाद। भवन निर्माण कामगार यूनियन के बैनर तले विभागीय जेई के काम का वेरिफाई न करने से खफा निर्माण मजदूरों ने रतिया नगरपालिका कार्यालय पर धरना दिया। इस दौरान मजदूरों ने जमकर नारेबाजी की। धरने की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान संतराम ने की। इस मौके पर सीटू के जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजरा व जिला प्रधान जागीर सिंह ने कहा कि 90 दिन की वर्कशीट की वेरिफिकेशन के लिए जेई सत्यापित नहीं कर रहा, जिससे मजदूरों में काफी रोष है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्माण मजदूरों को दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रही है। पिछले 3-4 सालों से निर्माण मजदूर की वर्कस्लिप अधिकारी स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण मजदूरों को कन्यादान, डेथ, साइकिल, औजारों, छात्रवृत्ति योजना के लाभ नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधिकारी हर बार सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर निर्माण मजदूर जुलाई माह में आयुक्त कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

लोकआस्था

गंगा दशहरा हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक

गंगा दशहरा पर अबकी बार बन रहे बेहद शुभ योग

कानपुर। एजेंसी

गंगा दशहरा हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस दिन माता गंगा की पूजा का विधान है और अबकी बार 16 जून को गंगा दशहरा पड़ रहा है। इस दिन हस्त नक्षत्र, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग का निर्माण हो रहा है, जिसकी वजह से यह दिन भक्तों के लिए बेहद शुभ है। इस दिन सिद्धनाथ घाट सहित शहर के 23 घाटों पर चुनरी, दूध, दही, घृत आदि से मां गंगा का अभिषेक किया जायेगा। यह बातें मंगलवार को सिद्धनाथ मंदिर के महंत बालयोगी अरुणपुरी चैतन्य महाराज ने कही।

उन्होंने बताया कि 16 जून को गंगा दशहरा पर्व की तैयारियों को लेकर मां गंगा सेवा समिति की केंद्रीय समिति ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। तय किया गया कि इस बार गंगा दशहरा पर जाजमऊ स्थित सिद्धनाथ घाट पर विशेष आयोजन होगा। इस आयोजन में पतित पावनी मां गंगा का 11 सौ मीटर चुनरी से शृंगार किया जाएगा।

● सिद्धनाथ घाट पर आयोजन के लिए 14 हजार परिवारों को निमंत्रण समिति की ओर से निमंत्रण दिया जा रहा है

इसके अलावा शहर के 23 घाटों पर भी गंगा का चुनरी, दूध, दही, घृत आदि से अभिषेक किया जायेगा। सिद्धनाथ घाट पर आयोजन के लिए 14 हजार परिवारों को निमंत्रण समिति की ओर से निमंत्रण दिया जा रहा है। सिद्धनाथ घाट पर होने वाले आयोजन में शाम 4:30 बजे से राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की ओर से भजनों की प्रस्तुति की जायेगी। गंगा पूजन सुबह 07 बजे से शुरू हो जाएगा। प्रसाद वितरण दोपहर 12 बजे से रात 12 तक चलेगा।

परिवार में आती हैं खुशियां

आचार्य रामऔतार पाण्डेय ने बताया कि जो लोग इस शुभ अवसर पर माता गंगा की उपासना करते हैं, साथ ही दान-पुण्य और धार्मिक कार्य करते हैं, उनके परिवार में खुशियों का आगमन होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन तिल का दान करने से घर में सदैव बरकत बनी रहती है। इसके साथ ही इस तिथि पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देना भी बहुत अच्छा माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति के सभी कार्य सफल होते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा से असाध्य रोगों का निदान संभव : अनिरुद्ध

हरिद्वार। एजेंसी

प्राकृतिक चिकित्सा से असाध्य रोगों का निदान संभव है। आधुनिकता की होड़ में हम सब प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। जिसका खामियाजा घटती प्रतिरोधक क्षमता के रुप में हमें भुगतनी पड़ती है। यह विचार भाजपा नेता अनिरुद्ध भाटी ने व्यक्त किए। भाटी उत्तरी हरिद्वार खड़खड़ी स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मौनी मन्दिर में 11 से 30 जून तक आयोजित होने वाले प्राकृतिक चिकित्सा कैम्प का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। अनिरुद्ध भाटी ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा असरकारी पद्धति है, इसका हमारे जीवन पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। हरिद्वार विश्व प्रसिद्ध तीर्थ नगरी है। यहां देश दुनिया से लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन आते हैं।

ऐसे में प्राकृतिक चिकित्सा कैम्प का आयोजन स्थानीय निवासियों व तीर्थ यात्रियों के लिए लाभदायक साबित होगा। डॉ. दीपक गुप्ता ने कहा कि आरोग्य सेवा केन्द्र द्वारा आयोजित इस प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में फिजियोथेरेपी, एक्युप्रेशर, होम्योपैथी, आयुर्वेद के माध्यम से जोड़ों का दर्द, सरवाइकल (गर्दन दर्द) साइटिका दर्द (कमर दर्द), घुटने, थाइराइड, ब्लड प्रेशर, शुगर, मोटापा जैसी असाध्य बीमारियों का उपचार किया जायेगा।

पेरिस ओलंपिक के लिए 15 सदस्यीय भारतीय राइफल और पिस्टल टीम घोषित

- महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी

नई दिल्ली। एजेंसी

सीनियर चयन समिति की वर्चुअल बैठक के बाद नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक के लिए 15 सदस्यीय भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा कर दी। महिला पिस्टल दिग्गज और अब दूसरी बार ओलंपिक में भाग लेने वालीं मनु भाकर एकमात्र निशानेबाज होंगी जो एक से अधिक व्यक्तिगत स्पर्द्धाओं, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी। टीम में राइफल स्पर्धा में आठ और पिस्टल स्पर्धा में सात निशानेबाज हैं। कोच और सहयोगी स्टाफ के

साथ टीम के सभी सदस्य इस समय फ्रांस के वोल्मेरेंज-लेस-माइंस में एक शिविर में हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य घर वापस आने के पश्चात दो सप्ताह का ब्रेक लेने से पहले अनुकूलन और कठिन प्रशिक्षण करना है।

टीम चयन पर एनआरएआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा चयन समिति ने बैठक की और विस्तार से विचार-विमर्श किया। विस्तार से विचार-विमर्श करने के बाद, हमें लगता है कि हमने योग्यता के अनुसार और नीति पर कायम रहते हुए मौजूदा फॉर्म में सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया है। हमें विश्वास है कि टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए सब कुछ तैयार कर लिया गया है। राइफल और पिस्टल में हमारी गहराई को देखते हुए, कुछ बहुत अच्छे निशानेबाज टीम का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, उनके पास वापसी का मौका रहेगा। हम टीम को शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने आगे कहा मैं इस अवसर पर महासंघ की ओर से भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने तैयारियों के हर चरण में हमारा मार्गदर्शन और समर्थन किया है। हम अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। एनआरएआई के महासचिव, सुल्तान सिंह ने कहा "टीम अच्छी फॉर्म में है और प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है, जिसमें चार ओलंपियन और अन्य वरिष्ठ निशानेबाजों के साथ-साथ बहुत से होनहार, आत्मविश्वासी और परिपक्व युवा प्रतिभाएं शामिल हैं। वे एचपीडी के पूरे प्रशिक्षण दल, विदेशी प्रशिक्षकों, राष्ट्रीय प्रशिक्षकों, खेल विज्ञान टीम, फिजियो आदि के मार्गदर्शन और समर्थन में लंबे समय से बहुत व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो एक लक्ष्य की दिशा में दृढ़ता और सूक्ष्मता से काम कर रहे हैं और वह है सफल पोडियम फिनिश हासिल करना। हमें विश्वास है कि टीम पेरिस में राष्ट्र को बहुत गौरवान्वित करेगी। भारत ने आगामी पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए निशानेबाजी में 21 कोटा अर्जित किए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। पदक के सभी 16 संभावित शॉट्स के अलावा, आठ व्यक्तिगत राइफल और पिस्टल स्पर्द्धाओं में, भारत के पास चार व्यक्तिगत शॉटगन स्पधाओं में रिकॉर्ड पांच कोटा हैं। इसके अलावा, भारत पांच मिश्रित टीमें भी उतारेगा, जिसमें राइफल और पिस्टल में दो-दो और शॉटगन में एक टीम होगी।

भारतीय राइफल और पिस्टल की टीम

राइफल

संदीप सिंह, अर्जुन बबूटा (10 मीटर एयर राइफल पुरुष)
एलावेनिल वलारिवन, रमिता (10 मीटर एयर राइफल महिला)
सिफ्त कौर समरा, अंजुम मौदगिल (50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला)
ऐश्वर्या तोमर, स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष)।

पिस्टल

सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा (10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष)
मनु भाकर, रिदम सांगवान (10 मीटर एयर पिस्टल महिला)
अनीश भनवाल, विजयवीर सिद्धू (25 मीटर आरएफपी पुरुष)
मनु भाकर, ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल महिला)।

एक नजर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद बांग्लादेश के कप्तान शान्तो ने कहा- मैच हमें जीतना चाहिए था

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा कि उनकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच जीतने के लिए आश्वस्त थी क्योंकि बल्लेबाज जाकेर अली क्रीज पर थे, हालांकि मैच के आखिरी ओवर में चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं, जब उन्हें 6 गेंदों पर 11 रन चाहिए थे। टी-20 विश्व कप में सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को अंतिम गेंद पर हराकर सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ा दिया। शांतो को लगता है कि उनकी टीम को यह मैच जीतना चाहिए था, लेकिन उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी कुछ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की।

ओसीए एथलीट समिति की अध्यक्ष चुनी गईं चीनी टेबल टेनिस की दिग्गज डिंग निंग

बीजिंग। चीनी टेबल टेनिस की दिग्गज महिला खिलाड़ी डिंग निंग को एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति का अध्यक्ष चुना गया है। ओसीए ने सोमवार को उक्त घोषणा की। डिंग ने अपने उम्मीदवारी भाषण में कहा एक एथलीट के रूप में मेरे करियर ने मेरी ज़िंदगी बदल दी, मुझे मजबूत बनाया और एथलीटों के लिए काम करने का जुनून दिया। डिंग ने ओलंपिक खेलों, विश्व कप और विश्व चैंपियनशिप में कुल 21 स्वर्ण पदक जीते हैं। वह 2016 रियो ओलंपिक में महिला एकल में तीन स्वर्ण पदक और लंदन 2012 और रियो 2016 में महिला टीम के लिए सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली खिलाड़ी हैं। डिंग ने कहा मुझे उम्मीद है कि मैं अपने कौशल, अनुभव और जुनून का इस्तेमाल बदलाव लाने के लिए कर पाऊंगी। डिंग ने अपने उम्मीदवारी भाषण में एथलीट समिति के लिए अपने दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया, जिसमें एथलीट कल्याण, प्रशिक्षण की स्थिति और प्रतिस्पर्द्धा के माहौल को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की केंद्रीय अनुबंध सूची में लॉरेन डाउन की वापसी

वेलिंगटन। बल्लेबाज लॉरेन डाउन न्यूजीलैंड क्रिकेट की अनुबंधित महिला खिलाड़ियों की सूची में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह 2024-25 के लिए केंद्रीय अनुबंध की पेशकश करने वाली 17 खिलाड़ियों में से एक हैं। डाउन ने पिछले सीजन में मातृत्व अवकाश के दौरान अनुबंध की पेशकश को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन इस महीने के अंत में इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम में उनका नाम शामिल किया गया। डाउन, जिन्होंने 28 एकदिवसीय और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। 2024-25 अनुबंध अवधि 1 अगस्त से शुरू होगी, जिसमें खिलाड़ियों के पास प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए 17 जून तक का समय होगा।

हरभजन सिंह ने अर्शदीप पर विवादित टिप्पणी को लेकर कामरान अकमल की आलोचना की

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर टिप्पणी के लिए पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल की आलोचना की। भारत के चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान, अर्शदीप को आखिरी ओवर सौपा गया, जिसमें उन्होंने 18 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया। हरभजन द्वारा रीपोस्ट किए गए एक वीडियो में, अकमल एआरवाई न्यूज के एक पैनल का हिस्सा थे। शो के दौरान, उन्होंने अर्शदीप के धर्म के बारे में एक विवादास्पद टिप्पणी की और कहा कुछ भी हो सकता है 12 बज गए हैं। उनकी टिप्पणी हरभजन को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने अर्शदीप पर कामरान की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की और एक्स पर लिखा लख दी लानत तेरे कामरान अकमल आपको अपना गंदा मुंह खोलने से पहले सिखों का इतिहास जानना चाहिए। हम सिखों ने आपकी माताओं और बहनों को बचाया जब उन्हें आक्रमणकारियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था, समय हमेशा 12 बजे का था।

पेरिस ओलंपिक टेनिस : रोहन बोपन्ना, सुमित नागल ने भारत के लिए कोटा हासिल किया

नई दिल्ली। एजेंसी

टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने क्रमशः युगल और एकल प्रतियोगिता में एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) रैंकिंग के जरिए भारत के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 कोटा हासिल कर लिया है।

टेनिस के लिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन विंडो सोमवार को समाप्त हो गई और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी बोपन्ना ने आराम से अपना कोटा हासिल कर लिया, जो पिछले साल नवंबर से युगल प्रतियोगिता के शीर्ष 10 में शामिल हैं। पिछले हफ्ते एकल रैंकिंग में 18 स्थानों की छलांग लगाने के बाद नागल ने भी कोटा हासिल किया। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, रविवार को जर्मनी के हीलब्रॉन नेकरकप में एटीपी चैलेंजर खिताब जीतने के बाद नागल 95वें स्थान से करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 77वें स्थान पर पहुंच गए।

पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्द्धा में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे

पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्द्धा में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे। 10 जून को जारी एटीपी रैंकिंग के अनुसार पुरुष एकल स्पर्धा के शीर्ष 56 खिलाड़ियों को अपने कोटा मिल गए हैं। प्रत्येक देश अधिकतम चार कोटा हासिल कर सकता है। फ्रांस के पास मेजबान देश के तौर पर एक कोटा स्थान आरक्षित था, ताकि अगर उनका कोई भी खिलाड़ी रैंकिंग के जरिए ओलंपिक में सीधे स्थान हासिल न कर पाए तो उसे यह स्थान मिल सके। लेकिन चूंकि फ्रांस ने अपनी रैंकिंग के जरिए सभी चार पुरुष एकल कोटा हासिल कर लिए थे, इसलिए मेजबान देश के कोटे को पूल में वापस जोड़ दिया गया और कट-ऑफ 56 से बढ़कर 57 खिलाड़ी हो गया। नागल हालांकि रैंकिंग में 77वें स्थान पर हैं, लेकिन विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाले पात्र खिलाड़ियों में वह अंतिम स्थान पर हैं। टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत के लिए खेलने वाले नागल जनवरी में रैंकिंग में 138वें स्थान पर थे। उन्होंने इस साल की शुरूआत में चेन्नई ओपन में खिताब जीतकर एटीपी के शीर्ष 100 में जगह बनाई।

बांग्लादेश की हार के बाद तौहीद हृदोय ने की अंपायरिंग की आलोचना

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद हृदोय ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान अंपायरिंग के स्तर की आलोचना की और उनका मानना है कि उन्हें सोमवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इसकी कीमत चुकानी पड़ी। 17वें ओवर में रन चेज के दौरान ओटनील बार्टमैन की एक गेंद महमुदुल्लाह के पैड से टकराई और फाइन लेग की गेंद बाउंड्री लाइन के पार चली गई। दक्षिण अफ्रीका ने एलबीडब्लू की अपील की और अंपायर ने अपनी उंगली उठा दी। रिव्यू पर, निर्णय पलट दिया गया लेकिन चूंकि अंपायर ने मैदान पर आउट दे दिया था, इसलिए गेंद को तुरंत डेड मान लिया गया, जिससे बांग्लादेश को चार रन नहीं मिल पाए। अंत में, एशियाई टीम उसी अंतर से हार गई। हृदोय ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा ईमानदारी से कहूं तो इतने कड़े मुकाबले में यह हमारे लिए अच्छा फैसला नहीं था। मेरे हिसाब से, अंपायर ने आउट दिया, लेकिन यह हमारे लिए काफी कठिन था। उन चार रनों से मैच का परिदृश्य बदल सकता था। उन्होंने कहा कानून मेरे हाथ में नहीं है। उस समय वे चार रन वाकई महत्वपूर्ण थे। अंपायर फैसला ले सकते हैं और वे भी इंसान हैं और गलतियां कर सकते हैं। उन्होंने कुछ मौकों पर वाइड भी नहीं दिए जो वाइड थे। इस तरह के मैदान में जहां कम स्कोर वाले मैच हो रहे हैं, एक या दो रन बहुत बड़ी बात है।

चेन्नईयिन एफसी ने कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मार जॉर्डन गिल के साथ किया करार

चेन्नई। एजेंसी

चेन्नईयिन एफसी ने 2024-25 सीजन से पहले मंगलवार को कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल के साथ करार किया है। विल्मर ने 2022 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ आईएसएल में पदार्पण किया। इसके बाद उन्होंने अगले सीजन में आईएसएल में पदार्पण करने वाले पंजाब एफसी के साथ अपना शानदार सफर जारी रखा, जिसमें उन्होंने 15 मैचों में आठ गोल किए। दो बार के आईएसएल विजेता चेन्नईयिन में शामिल होने पर जॉर्डन ने कहा, ₹मैं इस बेहतरीन क्लब और टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं और मुझे दिए गए इस शानदार अवसर के लिए निर्देशकों और कोच का

बहुत आभारी हूं। मैंने हमेशा चेन्नई में खेलने का सपना देखा है और अब मुझे यह खूबसूरत मौका मिला है। बहुत मेहनत, विनम्रता और त्याग के साथ, हम अपने लिए निर्धारित सभी उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं और खिताब जीत सकते हैं।

चेन्नईयिन के साथ एक साल के करार पर जुड़े जॉर्डन के आने से क्लब की 2024-25 सत्र के लिए पांचवीं साइनिंग और एल्सिन्हो डायस और चीमा चुक्वू के बाद उनका तीसरा विदेशी अधिग्रहण हुआ है। क्लब ने पहले कप्तान रयान एडवर्ड्स के करार विस्तार की घोषणा की थी। करार पर कोच ओवेन कॉयल ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ₹विल्मर का करियर शानदार रहा है और उन्होंने हर जगह गोल किए हैं। नॉर्थईस्ट और पंजाब के बीच 33 मैचों में 24 गोल करना एक स्ट्राइकर के लिए शानदार अनुपात है। हम अपने अटैक में इस तरह की ताकत जोड़कर खुश हैं।

अपने पूरे करियर के दौरान, विल्मर ने घरेलू लीग और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले में छेत्री की अनुपस्थिति पर भारतीय कोच ने कहा-इसके बारे में नहीं सोच रहे

दोहा। एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) एशियाई कप 2027 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफायर राउंड दो का आखिरी मैच भारत के लिए करो या मरो का मुकाबला है, जो आज रात एशियाई चैंपियन कतर से भिड़ेगा। भारत का लक्ष्य एक ऐसा लक्ष्य है जो भारतीय फुटबॉल इतिहास की दिशा बदल सकता है। इससे पहले कभी भी भारत विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे राउंड में जगह नहीं बना पाया था। इस बार भी उनकी उम्मीदें जिंदा हैं, लेकिन उन्हें हकीकत में बदलना महत्वपूर्ण है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भारत का अब तक विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन अभियान ठंडा रहा है, कुवैत में 1-0 की जीत ने उन्हें बहुत उम्मीद दी है, इससे पहले

अफगानिस्तान (बाहर 0-0) और कुवैत (घर पर 0-0) के खिलाफ ड्रॉ, और कतर (घर पर 0-3) और अफगानिस्तान (घर पर 1-2) के खिलाफ हार ने उनकी राह थोड़ी मुश्किल कर दी है। हालांकि वे अभी भी ग्रुप ए में इतने ही मैचों में पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, लेकिन अब उन्हें एएफसी एशियाई कप 2023 के मौजूदा चैंपियन के खिलाफ परिणाम सुनिश्चित करना होगा, और बाद में कुवैत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले मैच में अनुकूल स्कोरलाइन की उम्मीद करनी होगी। अगर यदि कतर के खिलाफ ड्रॉ खेलता है तो उसे कुवैत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले मैच में भी यही उम्मीद करनी होगी। अगर भारत कतर को हरा देता है, तो समीकरण आसान हो जाएगा, हालांकि यह उपलब्धि हासिल करना आसान काम नहीं है।

वाणिज्य

उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में मामूली तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। कारोबार की शुरूआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। लेकिन शुरूआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने हरे निशान में रिकवरी कर ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत और निफ्टी 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी, लार्सन एंड टूब्रो, ब्रिटानिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3.78 प्रतिशत से लेकर 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा, बीपीसीएल और भारती एयरटेल के शेयर एक प्रतिशत से लेकर 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,205 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,635 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 570 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 9 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 190.82 अंक की बढ़त के साथ 76,680.90 अंक के स्तर पर खुला।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, चांदी की कीमत में मामूली तेजी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी सपाट स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रहा है। सर्राफा बाजारों में सोने के भाव में मामूली बदलाव भी है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,320 रुपये से लेकर 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,290 रुपये से लेकर 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज मामूली तेजी आई है। तेजी के कारण दिल्ली सराफा बाजार में चांदी 91,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 71,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

हरदीप सिंह पुरी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री का पदभार संभाला

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मंत्री का पदभार संभाल लिया। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। हरदीप सिंह पुरी को प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल में पहली बार 2021 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। पुरी राज्यसभा सांसद हैं। वे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से भारत से संबंधित तेल आयात मुद्दों को संभालने में सबसे आगे रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 82 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरूआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.15 डॉलर यानी 0.18 फीसदी फिसलकर 81.48 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.09 डॉलर यानी 0.12 फीसदी लुढ़ककर 77.65 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव का माहौल बना रहा, जिसके कारण यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आने के पहले खरीदारों ने उत्साह दिखाते हुए पिछले सत्र के दौरान जम कर खरीदारी की, जिसके कारण नैस्डेक और एसएंडपी 500 इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच कर बंद होने में सफल हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,360.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.35 प्रतिशत उछल कर 17,192.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,805.21 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,228.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 107.82 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,893.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

संक्षिप्त समाचार

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने श्रद्धालुओं पर आंतकी हमले को बताया कायरतापूर्ण हरकत, की कड़े शब्दों में निंदा

- **आतंकवाद खत्म करने के केंद्र सरकार के दावे निकले खोखले : नेता प्रतिपक्ष**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले में 10 श्रद्धालुओं की मौत को कायराना हमला करार देते हुए कड़े शब्दों में निंदा की है। जूली ने आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करते हुए सरकार से मृतकों को मुआवजा और आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की बात कही। जूली ने कहा कि राजस्थान प्रदेश के जयपुर के चार लोग वैष्णो देवी के दर्शन करने गए थे जो इस हमले में अपनी जान गंवा चुके। उन्होंने कहा कि 370 हटने के बाद भी आतंकवाद खत्म करने के खोखले दावों के बीच ऐसी दिल दहलाने वाली घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता के नशे में चूर सरकार जहां एक तरफ जश्न मना रही थी वहीं दूसरी तरफ माता के भक्तों पर आतंकी अंधाधुंध गोलियां बरसाते रहे। उन्होंने कहा कि यह दिन देश के इतिहास में काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में दोबारा आतंक फैलाने का प्लान तैयार किया जा रहा है, केंद्र सरकार को आतंकवादियों के दुस्साहस का जवाब देना चाहिए ताकि सिविलियन पर ऐसे हमलों की पुनरावृत्ति ना हो सके। उन्होंने सरकार से मांग की है कि राजस्थान के मृतकों के शवों को सुरक्षित वापस लाया जाए।

शिवराज सिंह ने कृषि मंत्री का कार्यभार संभालने पर वरिष्ठ समाजसेवी राजिक फर्शिवाला ने दी शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और विदिशा के सांसद शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार (11 जून) को केंद्रीय कृषि मंत्री का कार्यभार संभाला। शिवराज सिंह अगले चार दिन तक दिल्ली में ही रहेंगे। वे कृषि मंत्रालय और ग्रामीण विकास विभाग का पदभार ग्रहण करने के बाद अफसरों के साथ केंद्र सरकार के प्रोजेक्ट्स और स्कीम्स की जानकारी लेंगे। मंत्रालयों के कामकाज की समीक्षा के बाद ही वे भोपाल लौटेंगे।इस मौके पर दिल्ली कृषि भवन में वरिष्ठ समाजसेवी राजिक फर्शिवाला ने अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ भाजपा नेता कद्दावर नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को वरिष्ठ केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास विभाग का कैबिनेट मंत्री बनने पर मुंह मिठा करवाया पुष्प गुच्छ भेंट कर हृदय तल बधाई एवं शुभकामनाएं दी और इस मौके पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर कहा कि निश्चित रूप से कृषि और ग्रामीण विकास विभाग शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व और उचित प्रबंधन तथा मार्गदर्शन विकास के नये नयें आयामों को छुयेगा। मंत्री शिवराज चौहान भारतीय किसानों की मूल समस्याओं का निदान करके मजबूती से किसानों के हितों की रक्षा करेंगे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे : राज्यपाल कलराज मिश्र

चमकता राजस्थान

जयपुर/बीकानेर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक केवल ज्ञान का स्त्रोत हैं बल्कि युवा पीछे को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। मिश्र ने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें।इस दौरान विद्यार्थियों को कुलाधिपत्ति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री मिश्र ने कृषि विद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषिमहाविद्यालय में नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एम. एम. स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर खाना किया।राज्यपाल ने कृषि व्यवसाय प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में और बीज विज्ञान एवं प्रद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पराभूषण प्रो. आर.वी. सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. छौंपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की।

राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रगति के सौपन लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिये गये इसके साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विधविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने विश्वविद्यालय की मरूति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामान पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किरम, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवशयकता जताई। श्री मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण आवशयक है इसके उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय को बधाई दी

पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई सर्वधर्म सभा, दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि

- **लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिला खंडित जनादेश, प्रदेश की जनता ने दिया स्पष्ट संदेश**
- **अब पिछले 10 साल की तरह सरकार की मनमानी नहीं चलेगी:- सचिन पायलट**

चमकता राजस्थान

भंडाना के पास सड़क हादसे में हुआ था पायलट का निधन

» गौरतलब है कि,11 जून 2000 में दौसा के भंडाना के पास पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। राजेश पायलट की याद में भंडाना के पास रोड किनारे ही स्मारक बनवाया गया था। जिरोता में भी राजेश पायलट की स्मृति में स्मारक बनवाया गया था। इस बार जिरोता में राजेश पायलट की पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट के बेटे सचिन पायलट सहित पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, हरीश चौधरी, टोंक–सवाई माधोपुर सांसद हरीश मीना, दौसा सांसद मुरारीलाल मीना ने कार्यक्रम में शिरकत की।सरकार को जनता, किसान और नौजवान ने एक स्पष्ट संदेश दिया है। देश में गठजोड़ की सरकार बनी है। किसी भी दल को सरकार बनाने के लिया स्पष्ट बहुमत नहीं मिला।

जयपुर/दौसा (खलील कुरैशी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने राजेश पायलट की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही सर्व धर्मसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर उनके बेटे और एआईसीसी के महासचिव सचिन पायलट भी दौसा पहुंचे। इस दौरान पायलट ने मीडिया से बात करते हुए एनडीए गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में एक खंडित जनादेश आया है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। अब पिछले 10 साल की तरह सरकार की मनमानी नहीं चलेगी।

लोकसभा चुनाव में प्रदेश की जनता एक स्पष्ट संदेश दिया है पायलट ने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर राजस्थान की जनता का धन्यवाद है। एग्जिट पोल में कई तरह की बातें सामने आईं, लेकिन राजस्थान में भाजपा को 11 जगह कांग्रेस के आगे हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की संसद में अब पहले जैसा व्यवहार नहीं चलेगा-उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से ये संदेश गया है कि दमन की, प्रतिशोध को,आक्रामकता की और भेदभाव की राजनीति नहीं चलेगी। जिस तरह संसद में 147 सांसदों को एक साथ निलंबित किया गया था, उस कार्रवाई को लोगों ने पसंद नहीं किया। दो-दो निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया था। कांग्रेस के नेताओं को प्रताड़ित किया गया था, लेकिन अब विपक्षकी एकता से ये मैसेज गया है कि आने वाले समय में सब को मिलकर काम करना है।साथ ही उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस की 11 सीटों पर जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा कि अगर कार्यकर्ता कड़ी धूप में मेहनत नहीं करते तो हम जीत नहीं पाते।

राजस्थान पुलिस हमेशा निर्बाध रूप से अपने कर्तव्यों के पथ पर रहेगी अग्रणी

- **राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले पुलिस कार्मिकों महाराज ने अपने कर कमलों से किया सम्मान**

शाहपुरा (खलील कुरैशी) । राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को शाहपुरा विधानसभा के खोरी स्थित परमानंद धाम के संत श्री हरि ओम दास जी महाराज के सानिध्य में श्री भागीरथ प्रसाद व श्री पवन टीलावत गोरी की ओर उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले स्थानीय पुलिस थाने के जांबाजों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महाराज श्री ने कहा कि वर्तमान में शहर में युवा पीढ़ी पीढ़ी नशे के लत की शिकार हो रही है। इससे कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं। थाना प्रभारी व उनकी टीम के द्वारा जो नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। वह काबिले तारीफ है। पुलिस स्थापना दिवस पर ऐसे जांबाज पुलिसकर्मियों का सम्मान होना जरूरी है। महाराज श्री ने कहा कि जनता के साथ पुलिस को अधिक से अधिक जुड़ना चाहिए और बेहतर कार्य कर आम जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना चाहिए। थाना प्रभारी रामलाल मीणा, एस आई रजत खींची, त्रिवेणी चौकी प्रभारी कालूराम झरवाल, एएसआई गंगाराम मीणा सहित सभी पुलिसकर्मियों का सम्मान स्वरूप साफा, माला पहनाकर उनकी हौसला अफजाई की गई। थाना प्रभारी रामलाल मीणा ने कहा कि राजस्थान स्थापना दिवस वैसे तो प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को मनाया जाता है लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते नहीं मनाया गया था ऐसे में 11 जून से लेकर 13 जून तक के राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस मनाया जा रहा है जिसको लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस का इतिहास अब तक गौरवशाली रहा है। उन्होंने आमजन को विश्वास दिलाया कि कि वे व उनकी टीम कर्तव्य के पद पर सदैव अग्रसर रहेंगी। इस अवसर पर खोरी ग्राम पंचायत सरपंच मेवा देवी, वार्ड पंच मीना देवी टीलावत, सीएलजी सदस्य नाथूलाल सैनी, उदावाला गौशाला समिति अध्यक्ष जगदीश सोनी, राजेश मंडोवरा, रवि दत्तशर्मा, समाजसेवी सुरेंद्र कुमार बुनकर, अक्षय शर्मा, नवरत्न सोनी, चक्रेश टीलावत, गजानंद सेन सहित विभिन्न स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहें।

खाद्य सुरक्षा अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा की एक ओर कार्यवाही

चमकता राजस्थान

- **मिलावट के खिलाफ अभियान– 887 लीटर घी सीज, 2 सैम्पल लिए**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलावट के खिलाफ निरन्तर अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में मंगलवार को बढारणा, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में कार्रवाई कर 887 लीटर घी सीज किया गया और 2 सैम्पल लिए गए।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि क्राइम ब्रांच की सूचना के आधार पर विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में श्री अन्नू मिल्क प्रोडक्ट लिमिटेड पर कार्रवाई की गई। यहां से सैंपल डेयरी फ्रेश एवं बिलोना घी के 2 सैंपल लिए गए। इनको जांच के लिए लैब में भेजा जायेगा। साथ ही यहां 887 लीटर घी अमानक स्तर का होने के कारण सीज किया गया।

टीम में सीएमएचओ रवि शेखावत, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन गोदारा, नरेश चेजारा, नरेश शर्मा और पवन गुप्ता मौजूद रहे। क्राइम ब्रांच के इंसपेक्टर सुभाष सिंह भी अपनी टीम के साथ मौके पर कार्रवाई के लिए उपस्थित थे।

सत्ता से बाहर होते ही गहलोत को आई बेरोजगारो की याद, पिछले पांच साल लाखों बेरोजगारों को भत्ते के नाम पर गुमराह करती रही गहलोत सरकार:- लक्ष्मीकांत भारद्वाज

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेरोजगारी भत्ते को लेकर दिये गये बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को सत्ता से बाहर होने के बाद बेरोजगारों की याद आ रही है। 2018 में सत्ता पाने के लिए कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के समय अपने घोषणा पत्र में प्रदेश के 30 लाख युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। सत्ता में आने के बाद गहलोत सरकार ने बेरोजगारों के हितों पर कुठाराघात किया और प्रदेश के 28 लाख से अधिक बेरोजगारों को भत्ते के नाम पर भटकाया। प्रदेश के लाखों बेरोजगारों को भत्ते के नाम पर सरकारी कार्यालयों में इंटर्नशिप के लिए बुलाया गया और उन्हे भत्ते से भी वंचित रखा गया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने पेपरलीक माफियाओं को सरंक्षण देकर प्रदेश के 70 लाख से अधिक युवाओं के सपनों पर पानी फेरने का काम किया। वहीं प्रदेश में भजनलाल शर्मा सरकार आने के बाद युवाओं के साथ न्याय हो रहा है और पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। प्रदेश में अभी तक पेपर लीक के मामलों में 100 से अधिक अपराधी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। गहलोत शायद भूल गए कि उनके शासन काल में प्रदेश बेरोजगारी के मामले में देशभर में सबसे आगे पहुंच गया था। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीएमआईई) के अनुसार जहां देश में बेरोजगारी दर 6 फीसदी से 8 ×फीसदी के मध्य रही। वहीं कांग्रेस के समय राजस्थान में बेरोजगारी दर 32.3 प्रतिषत तक पहुंच गई थी। विधानसभा में एक सवाल के जवाब में जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार से बेरोजगारी भत्ता पाने वाले बेरोजगारों की संख्या पूछी गई तो जवाब में पता चला कि महज 1.60 लाख युवाओं को ही बेरोजगारी भत्ता दिया गया, और वह भी कुछ समय के लिए ही। पिछली कांग्रेस सरकार ने आंकड़ो के नाम पर प्रदेश के युवाओं को गुमराह और परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और उसी का परिणाम रहा कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर फेंक दिया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस ने 2018 के चुनावों से पहले अपने घोषणा पत्र में संविदा कर्मियों को नियमित करने का भी वादा किया था। जिसमें एनआरएचएम, एनयूएचएम कर्मियों, पैराटीचर्स, लोक जुबिंष कर्मचारी, आंगनबाड़ी, षिक्षाकर्मियों, विद्यार्थी मित्रों, पंचायत सहायकों सहित अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल थे। तत्कालीन कांग्रेस सरकार के समय जब इन लोगों ने कांग्रेस को वादा याद दिलाया तो उन पर लाठिया मारी गई यहां तक कि महिलाओं कर्मचारियों को भी बेरहमी से पीटा गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929